सब का सपना

Tittle Code :-UPHIN 51223

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–01 अंक–09 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार, 25 दिसंबर से 31 दिसंबर 2023 पेज–08 मूल्य 5 रूपये

जरूर पढ़ें

नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन उधमपुर और कटुआ रेलवे स्टेशनों पर भी रुकेगी

नई दिल्लीः देशभर में एक के बाद एक वंदे भारत ट्रेनों की लॉन्चिंग हो रही है। अब तक लगभग सभी राज्य में सेमी हाईस्पीड ट्रेन शुरू हो चुकी है। इससे न सिर्फ यात्रियों का टाइम बच रहा है, बल्कि उन्हें कम रुपये में हवाई जहाज जैसी सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। साल 2019 में पहली वंदे भारत ट्रेन नई दिल्ली से वाराणसी के बीच शुरू हुई थी। अब हाल में एक बार फिर से इसी रूट पर वंदे भारत लॉन्च की गई है। अब पीएम मोदी 30 दिसंबर को एक साथ छह वंदे भारत ट्रेनों को लॉन्च करने जा रहे हैं। इसी में एक ट्रेन कटरा से दिल्ली के बीच चलेगी। मालूम हो कि पहले भी दिल्ली से कटरा के बीच एक वंदे भारत ट्रेन चल रही है, जिससे मां वैष्णो देवी के भक्तों को काफी फायदा मिल रहा है।कटरा–दिल्ली वंदे भारत को लेकर एक गुड न्यूज सामने आई है।

सद्भावना एक्सप्रेस के पैंट्रीकार में आग लगने से मचा हड़कंप

सुल्तानपुर, यूपी के सुल्तानपुर में सद्भावना एक्सप्रेस बर्निंग ट्रेन बनने से बाल–बाल बची। दरअसल शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रेन के पैंट्रीकार में आग लग गई। जिसके बाद यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। दूसरी ओर सूचना मिलने पर ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर कर ट्रेन रोका फिर रेल कर्मचारियों ने ट्रेन में मौजूद आग बुझाने वाले यंत्र से जैसे–तैसे करके काबू पाया। इसके बाद ट्रेन सवा घंटे के देरी से रवाना की गई। हालांकि इस दौरान किसी को कई नुकसान नहीं पहुंचा। रविवार को सुल्तानपुर से दिल्ली जा रही सद्भावना एक्सप्रेस जब 20 किलोमीटर आगे शिवनगर स्टेशन पर पहुंची तभी पैंट्रीकार में शॉर्ट सर्किट के कारण एकाएक आग लग गई। बोगी से उठते धुएं की लपटों को देख यात्री सहम गए।

भारतीय कुश्ती संघ को खेल मंत्रालय ने किया सस्पेंड

बृजभूषण शरण सिंह के लिए बड़ा झटका, संजय सिंह द्वारा लिए गए सभी फैसलों पर भी लगा दी गई है रोक

नई दिल्ली, एजेंसियां

केंद्र सरकार ने भारतीय कुश्ती संघ को सस्पेंड कर दिया है। हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह को जीत मिली थी। इसके बाद महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास ले लिया था। सरकार ने अब इसे सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही संजय सिंह द्वारा लिए गए सभी फैसलों पर भी रोक लगा दी गई है। खेल मंत्रालय के इस एक्शन पर बजरंग पूनिया ने कहा कि मुझे अभी तक इसके बारे में जानकारी नहीं है। उन्होने कहा कि अगर ये फैसला लिया गया है तो ठीक लिाय गया है।

खेल मंत्रालय ने कहा कहा कि संजय कुमार सिंह ने 21 दिसंबर को घोषणा की कि जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं इस साल के अंत से पहले शुरू होंगी। यह नियमों के खिलाफ है। कम से कम 15 दिन के नोटिस की जरूरत है ताकि पहलवान तैयारी कर सकें। खेल मंत्रालय ने आगे कहा इस तरह के निर्णय कार्यकारी समिति द्वारा लिए जाते हैं, जिसके समक्ष एजेंडा को विचार के लिए रखा जाना आवश्यक होता है। डब्ल्यूएफआई संविधान के अनुच्छेद कके अनुसार बैठक के लिए 15 दिन पहले नोटिस देना अनिवार्य होता है। यहां तक कि आपातकालीन बैठक के लिए भी न्यूनतम नोटिस अवधि 7 दिनों की होती है।"

खेल मंत्रालय ने यह भी आरोप लगाया कि नया निकाय पिछले पदाधिकारियों के पूर्ण नियंत्रण में प्रतीत होता है, जिनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए थे। मंत्रालय ने कहा, ₹ऐसा प्रतीत होता है कि नवनिर्वाचित निकाय खेल संहिता की पूरी तरह अनदेखी करते हुए पूर्व पदाधिकारियों के नियंत्रण में है। आगे कहा, फेडरेशन का कारोबार पूर्व पदाधिकारियों द्वारा नियंत्रित परिसर से चलाया जा रहा है। खिलाड़ियों के द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गए हैं। अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही है।

आपको बता दें कि पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के प्रमुख चेहरों में शामिल साक्षी ने डब्ल्यूएफआई चुनाव में संजय सिंह की जीत के तुरंत बाद खेल से संन्यास की घोषणा की थी, जबकि बजरंग ने शुक्रवार को अपना पद्मश्री लौटा दिया था।डेफलंपिक्स (मूक बधिर खिलाड़ियों का ओलंपिक) के स्वर्ण पदक विजेता वीरेंद्र सिंह यादव ने एक्स पर लिखा, "मैं भी अपनी बहन और देश की बेटी के लिए पद्मश्री सम्मान लौटाउंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुझे आपकी बेटी और मेरी बहन साक्षी मलिक पर गर्व है।" उन्होंने सचिन तेंदुलकर और नीरज चोपड़ा जैसी देश की प्रतिष्ठित खेल हस्तियों से भी इस मुद्दे पर अपनी राय देने का आग्रह किया। वहीं, डब्ल्यूएफआई के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि वह बृजभूषण शरण सिंह के कठपुतली उम्मीदवार नहीं हैं। संजय सिंह ने पत्रकारों से कहा, जो खिलाड़ी हैं उन्होंने तैयारी शुरू कर दी है और जो राजनीति करना चाहते हैं वह ऐसा कर सकते हैं। यह उनका निजी मसला है। मैं इस पर बात नहीं करूंगा। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष ने कहा, मैं 12 वर्ष से महासंघ में हूं। मेरा एक सांसद (बृजभूषण) का करीबी होने का मतलब यह नहीं है कि मैं कठपुतली उम्मीदवार हूं। अगर मैं उनका करीबी हूं तो क्या यह अपराध है।

सरकार के फैसले पर चुने हुए लोग लेंगे निर्णय : बृजभूषण शरण सिंह

नई दिल्ली, एजेंसियां

भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन को लेकर खेल मंत्रालय के फैसले के बाद पहली बार बृजभूषण शरण सिंह की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहाकि निलंबन के फैसले पर संघ के चुने हुए लोग फैसला लेंगे। साथ ही उन्होंने कहाकि मैं कुश्ती से संन्यास ले चुका हूं। मेरे पास और भी कई काम हैं। मेरा अब इन सबसे कुछ लेना देना नहीं है। उन्होंने कहाकि नई फेडरेशन को कोर्ट जाना है या क्या करना है, यह उनका पूरी तरह से उनका फैसला होगा। गौरतलब है कि खेल मंत्रालय ने आज एक अहम फैसले में संजय सिंह की अध्यक्षता वाले कुश्ती को संघ को निलंबित कर दिया था।

उनका संन्यास, हमारा भी संन्यास

साक्षी मलिक के संन्यास पर बृजभूषण सिंह ने कहाकि उनका भी संन्यास, हमारा भी संन्यास। बृज भूषण शरण सिंह ने कहाकि मैं काम करता रहूंगा। हम एकेडमी चलाते रहेंगे। एकेडमी में 100–150 बच्चे हैं और मैंने खुद कुश्ती खेली है, कुश्ती के बल पर ही मैं आज यहां पर पहुंचा हूं। हम अपनी एकेडमी बंद नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहाकि खेल मंत्रालय से निवेदन करूंगा कि हो सके तो इस टूर्नामेंट को करा लें। भले ही अपनी निगरानी में करा लें, लेकिन करा लें।

संजय सिंह भूमिहार, मेरे रिश्तेदार नहीं

नंदीनगर में कुश्ती टूर्नामेंट कराने के सवाल पर भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहाकि देश के सभी फेडरेशनों ने इस मुकाबले के लिए हाथ खड़े कर दिए थे। 11 महीने से कुश्ती बंद थी। 15–20 साल के बच्चों का भविष्य खराब हो रहा था। इसलिए यह फैसला लिया गया कि नंदीनगर में टूर्नामेंट करा लिया जाए। उन्होंने यह भी कहाकि वहां पर पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है। कहीं और इतनी जल्दी टूर्नामेंट कराना संभव नहीं था। बृजभूषण के मुताबिक इस बात को लेकर सभी फेडरेशनों में आम सहमति भी थी। उन्होंने कहाकि संजय सिंह भूमिहार हैं और मैं क्षत्रिय हूं। वह मेरे रिश्तेदार नहीं हैं। नंदिनी नगर में अंडर–15 और अंडर–20 नेशनल आयोजित करने की घोषणा यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि खेल आयोजन फिर से शुरू हों।

पहलवानों ने उठाए थे सवाल

गौरतलब है कि भारतीय कुश्ती संघ के नए अध्यक्ष संजय सिंह बृजभूषण शरण सिंह के बेहद करीबी हैं। संजय सिंह के अध्यक्ष बनते ही पहलवानों ने जमकर विरोध किया था।

भारतीय ओलंपिक संघ बनाए कुश्ती फेडरेशन के लिए पैनल

नई दिल्ली, एजेंसियां

खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को चलाने के लिए एक अस्थायी पैनल बनाने के लिए कहा है। नवगठित भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित करने के कुछ घंटों बाद केंद्र सरकार ने भारतीय ओलंपिक संघ से कुश्ती संस्था को चलाने के लिए पैनल बनाने को कहा है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब डब्ल्यूएफआई के नए अध्यक्ष संजय सिंह और पूर्व डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के साथ उनकी निकटता को लेकर सवाल उठाए गए थे। बता दें बृजभूषण शरण सिंह पर भारत के शीर्ष पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से एथलीट चयन की प्रक्रिया सहित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के मामलों की देखरेख और संचालन के लिए एक एड–हॉक कमेटी बनाने को कहा है। केंद्र ने कहा, डब्ल्यूएफआई के पूर्व पदाधिकारियों के प्रभाव और नियंत्रण से उत्पन्न मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, डब्ल्यूएफआई के शासन और अखंडता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। इसके लिए खेल संगठनों में सुशासन के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए तत्काल और कड़े सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता है, और इस प्रकार अब यह आईओए की जिम्मेदारी बन गई है कि वह डब्ल्यूएफआई के मामलों के प्रबंधन के लिए अंतरिम अवधि के लिए उपयुक्त व्यवस्था करे। हाल ही में संपन्न डब्ल्यूएफआई चुनावों में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी सहयोगी संजय सिंह को भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था।

डब्ल्यूएफआई के नए अध्यक्ष संजय सिंह और पूर्व डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के साथ उनकी निकटता को लेकर सवाल उठाए गए थे। बता दें बृजभूषण शरण सिंह पर भारत के शीर्ष पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

अपने मुकाम के बेहद करीब आदित्य एल–1

अहमदाबाद, भारत का पहला सौर्य मिशन आदित्य एल–1 छह जनवरी को अपनी मंजिल यानी लैग्रेंजियन प्वॉइंट पर पहुंच जाएगा। इसरो अध्यक्ष सोमनाथ ने कहाकि फिलहाल इस बात की उम्मीद पूरी है। उन्होंने आगे कहाकि सटीक समय की जानकारी सही वक्त पर दी जाएगी। इसरो अध्यक्ष ने यह बातें भारतीय विज्ञान सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बात करते हुए बताईं। सोमनाथ ने यह भी बताया कि भारत अपना स्पेस स्टेशन बनाने के भी करीब है।फिर से फायर होगा इंजन सोमनाथ ने बताया कि जब यह एल1 प्वॉइंट पर पहुंचेगा तो इंजन को एक बार फिर से फायर करना होगा, ताकि यह बहुत आगे न निकले। एक बार यहां पर पहुंचने के बाद आदित्य एल1 यहां पर घूमने लगेगा और उलझा रहेगा। इसरो अध्यक्ष ने आगे बताया कि अपने लक्ष्य पर पहुंचने के बाद आदित्य एल1 अगले पांच साल तक सूरज पर होने वाली गतिविधियो के बारे में जानकारी देता रहेगा।

भारत आ रहे टैंकर एमवी केम प्लूटो पर ईरानी हमला

नई दिल्ली, एजेंसियां

मेंगलुरु की ओर जाने वाले एमवी केम प्लूटो जहाज पर ईरानी कामिकेज ड्रोन से हमला हुआ है। यह अटैक 23 दिसंबर को उस वक्त हुआ जब शिप द्वारका से 210 समुद्री मील दूर, ईरानी तट से 500 समुद्री मील और यमन तट से 860 समुद्री मील की दूरी पर था। पेंटागन का दावा है कि 2021 के बाद से कॉमर्शियल शिपिंग पर यह सातवां ईरानी हमला है। यह घटना अरब सागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर अशुभ संकेत हैं। तेहरान अब उन जहाजों पर भी गोलीबारी करने लगा है जिनका टारगेटेड शिप से कोई सीधा संबंध नहीं है।

एमवी केम प्लूटो पर लाइबेरिया का झंडा लगा हुआ था। यह जापानी स्वामित्व वाला और नीदरलैंड की ओर से संचालित टैंकर है जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय चालक दल हैं। हमले के दौरान यह जहाज विवादित लाल सागर और अदन की खाड़ी क्षेत्र से बाहर था। मालूम हो कि ईरान के पास 1350 समुद्री मील की रेंज के साथ मिसाइल दागने वाला शहीद ड्रोन है। हालांकि, ईरानी ऊँह्व्द टश रं५९ की भूमिका की जांच करना जरूरी है जो हमले वाले जहाज से 47 समुद्री मील दूर था। कैरियर एमवी आर्टेनो एमवी केम प्लूटो से 230 समुद्री मील दूरी पर था। अब यह जांच से ही पता चलेगा कि क्या ये दोनों जहाज मेंगलुरु जाने वाले तेल टैंकर को टारगेट करने में किसी तरह शामिल थे।

ड्रोन हमले के चलते एमवी केम प्लूटो पर लगी आग अब नियंत्रण में है। जहाज के चालक दल को भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल की ओर से सहायता मुहैया कराई जा रही है। इस हमले ने समुद्री सुरक्षा को लेकर कई सारे गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दरअसल, ईरान व उसके प्रतिनिधियों और यमन के हूती विद्रोहियों ने कॉमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाकर समुद्री सुरक्षा को भारी नुकसान पहुंचाया है। लाल सागर से अदन की खाड़ी, फारस की खाड़ी और भारत के तट तक सिक्योरिटी को लेकर चिंता बढ़ गई है। अब लाल सागर से वाणिज्यिक शिपिंग की लागत बढ़ सकती है क्योंकि ज्यादातर जहाज पश्चिम तक पहुंचने के लिए केप ऑफ गुड होप रूट अपनाएंगे। जानकारों का कहना है कि ईरान इस क्षेत्र में गंभीर अस्थिरता पैदा करना चाहता है। इससे वो सऊदी अरब, जॉर्डन और यूएई जैसे सुन्नी राज्यों के आर्थिक हितों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। एमवी केम प्लूटो पर हमला दिखाता है कि ईरान मध्य–पूर्व क्षेत्र को धमकाने के लिए किस हद तक जा सकता है। इजरायल और हमास युद्ध के विरोध में हूती विद्रोही भी जहाजों पर हमला कर रहे हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि इजरायल से जुड़े जहाजों को वे लगातार निशाना बनाते रहेंगे। अब ईरान की ओर से भी हमला यह संकेत है कि स्थिति काफी गंभीर होने वाली है।

ड्रोन हमले के चलते एमवी केम प्लूटो पर लगी आग अब नियंत्रण में है। जहाज के चालक दल को भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल की ओर से सहायता मुहैया कराई जा रही है।

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती में आयु में कोई छूट नहीं दी गई है, 27 दिसंबर 2023 से शुरू होगी भर्ती

यूपी पुलिस में कांस्टेबल की 60244 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्लीः एजेंसी

नई दिल्लीः यूपी पुलिस में कांस्टेबल की 60244 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। आवेदन की प्रक्रिया 27 दिसंबर 2023 से शुरू होगी। **uppbpb.gov.in** पर जाकर एप्लाई करने की अंतिम तिथि 16 जनवरी 2024 है।

फीस जमा करने और आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 18 जनवरी 2024 है। यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती में 25 लाख आवेदन आने की उम्मीद है। रिक्त पदों में 24102 पद अनारक्षित हैं। ईडब्ल्यूएस के लिए 6024 पद, ओबीसी के लिए 16264 पद, एससी के लिए 12650 पद, और एसटी के लिए 1204 पद आरक्षित हैं।

आवेदन फीस 400 रुपये निर्धारित की गई है।

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती में आयु में कोई छूट नहीं दी गई है जैसा कि लंबे समय से मांग की जा रही थी।

योग्यता – इन पदों कि लिए 12वीं पास (इंटर पास) की योग्यता मांगी गई है। अगर दो या उससे अधिक अभ्यर्थियों के मार्क्स बराबर आते हैं तो डोएक से ओ लेवल वाले अभ्यर्थियों, एनसीसी बी सर्टिफिकेट व प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की सेवा का अनुभव वाले उम्मीदवारों को प्रेफरेंस मिलेगा।

आयु सीमा – पुरुषों के लिए – 18 वर्ष से 22 वर्ष। महिलाओं के लिए – 18 वर्ष से 25 वर्ष। एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु में 5–5 वर्ष की छूट दी जाएगी। आयु की गणना 1 जुलाई 2023 से होगी।

यानी ऐसे पुरुष अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं जिनका जन्म 2 जुलाई 2001 से पहले और 1 जुलाई 2005 के बाद न हुआ हो।

यानी ऐसी महिला अभ्यर्थी आवेदन कर सकती हैं जिनका जन्म 2 जुलाई 1998 से पहले और 1 जुलाई 2005 के बाद न हुआ हो।

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा ओएमआर शीट पर ऑफलाइन मोड से होगी। यानी परीक्षा कंप्यूटर मोड (सीबीटी) टाइप नहीं होगी। ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे और ओएमआर शीट पर गोलों को भरना होगा। 6. एग्जाम पैटर्न लिखित परीक्षा 300 अंकों की होगी। इसमें सामान्य ज्ञान, सामान्य हिंदी, संख्यात्मक व मानसिक योग्यता, मानसिक अभिरुचि, बुद्धिलब्धि, तार्किक क्षमता के प्रश्न थे। कुल 150 प्रश्न होंगे।

कर्नाटक में अभी हिजाब पर लगा रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्लीः एजेंसी

हमने अभी तक हिजाब प्रतिबंध हटाने का फैसला नहीं किया है। किसी ने मुझसे इस मुद्दे पर सवाल पूछा था। मैंने जवाब दिया था कि सरकार इसे रद्द करने पर विचार कर रही है।

यह स्पष्टीकरण सीएम सिद्धारमैया के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक सिर पर स्कार्फ पहनने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि पोशाक और भोजन का चुनाव व्यक्तिगत है।

शुक्रवार को सीएम सिद्धारमैया ने कहा था, "हम उस फैसले को वापस लेंगे, अब हिजाब पर कोई प्रतिबंध नहीं हैय़ महिलाएं हिजाब पहनकर बाहर निकल सकती हैं। मैंने अधिकारियों से पिछली सरकार के आदेश वापस लेने को कहा है। कपड़े पहनना और खाना व्यक्तिगत पसंद है, मुझे क्यों आपत्ति होनी चाहिए? जो चाहो पहनो, जो चाहो खाओ, मुझे क्यों परवाह? हमें वोट पाने के लिए राजनीति नहीं करनी चाहिए। हम ऐसा नहीं करते हैं। हिजाब पर घोषणा को लेकर कांग्रेस सरकार को विपक्षी भाजपा की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा है। भगवा पार्टी ने कहा कि सरकार के इस कदम से शैक्षिक स्थानों की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए कर्नाटक भाजपा प्रमुख बीवाई विजयेंद्र ने सिद्धारमैया पर शैक्षणिक माहौल को खराब करने का आरोप लगाया।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाते हुए विजयेंद्र ने दावा किया, आजादी के इतने वर्षों के बाद भी अल्पसंख्यकों के बीच साक्षरता और रोजगार दर अभी भी 50 प्रतिशत है। कांग्रेस ने कभी भी अल्पसंख्यकों की स्थिति को ऊपर उठाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा, कांग्रेस फूट डालो और राज करो की नीति में विश्वास करती है जिसे ब्रिटिश शासकों ने अपनाया था। यह ब्रिटिश विरासत को आगे बढ़ाने के समान है।

चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस पर आयोजित हुई किसान गोष्ठी

अमरोहा/यूपीः जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट परिसर अमरोहा में भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित किसान सम्मान व गोश्ठी तथा प्रगतिशील किसानों को सम्मान प्रमाण पत्र वितरण संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अधिकारी ने दीप प्रज्वलन कर व भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी शरण जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारीअश्वनी कुमार मिश्र जी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुरेन्द्र सिंह जी उपनिदेशक कृषि मुख्य पशु शिक्षा अधिकारी जिला उद्यान अधिकारी जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों ने स्वर्गीय चौधरी शरण जी की मूर्ति पर माल्यर्पण कर पुष्प अर्पित किया। जिलाधिकारी ने कार्यत्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह जी किसानों के मसीहा थे और वह ऐसे प्रधानमंत्री थे जो किसान घर से थे और स्वयं भी किसान थे । कहा कि चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों के लिए व उनके उत्थान के लिए विकास के लिए प्रगति के लिए हमेशा लड़ाई लड़ी । भूमि सुधार उन्नतशील बीज सिंचाई कृषि उत्पादों की मार्केटिंग कृषि की नई तकनीकी उत्पाद की बाजार तक पहुंच सहित अन्य विभिन्न बिंदुओं पर अनेक कानून लाकर किसानों की स्थिति को सुधार करने का कार्य किया । वह किसानों के प्रगति के लिए अनेक ऐसे कानून लाए जो की उनकी स्थिति को सुधार करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया। उन्होंने आधुनिक खेती और जैविक खेती तकनीकी आधार पर खेती पर बल दिया और देश में खाद्यान्न शंकर से निपटने के लिए किसानों के लिये अनेक सुधार किया। किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब लोग जैविक खेती की ओर बढ़े और उर्वरकों का कम प्रयोग करें। जैविक उर्वरकों का प्रयोग करें धरती माता की एक क्षमता है उस क्षमता से अधिक यदि उर्वरक और रासायनिक पदार्थ का प्रयोग करेंगे तो मिट्टी की क्षमता कमजोर हो जाएगी और आपके फसल उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। खेती में संतुलित उर्वरक का प्रयोग करें और जैविक उर्वरकों को बढ़ावा दें कृषि में बागवानी फूलों की खेती पशुपालन कृषि के विविधीकरण की ओर ध्यान दें । अपनी इनकम को सुधारें तभी आप सब किसान बन्धु खुशहाल हो सकेंगे और चौधरी चरण सिंह जी के सपने को साकार कर सकेंगे । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उन्नतशील किसानों को माला पहनकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । कार्यत्रम के शुभारंभ के पूर्व जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिषर में कृषि विभाग द्वारा उन्नतशील प्रजातियों के लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन किया है और संबंधित अधिकारी से मुख्य बिंदुओं पर जानकारी लेकर अधिक से अधिक किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिया। गोष्ठी में उपनिदेशक कृषि श्री राम प्रवेश जी कृषि वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने जैविक खेती तथा श्री अन्न की खेती करने के प्रति किसानों को जागरूक किया व मिट्टी व व्यक्ति के स्वास्थ्य के लाभ और हानि के बारे में जागरूक किया।कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा, अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह, उपनिदेशक कृषि जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, कृषि विभाग से जुड़े वैज्ञानिक विशेषज्ञ तथा बड़ी संख्या में किसान बंधु मौजूद रहे।

संक्षेप खबरें

जिलाधिकारी ने किया रैन बसेरों का निरीक्षण ठहरे हुए लोगों से जाना हाल

अमरोहाः देर शाम जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी द्वारा गरीबों बेसहारा निराश्रितों व दूर दराज से आए हुए लोगों को ठंढ़ में ठहरने के लिए बनाए गए .

अमरोहा शहर में रैन बसेरा रेलवे स्टेशन अमरोहा तथा रोड बेज बस स्टैंड का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया और ठंड के दृष्टिगत पूरी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया । जिलाधिकारी ने ठहरे हुए लोगों से किसी भी प्रकार की दिक्कत तो नहीं है संबंधी जानकारी ली । जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा को निर्देशित करते हुए कहा कि बनाये गए रैन बसेरा में ठंढ़ से बचाव के लिए बेहतर व्यवस्था हो ठहरे हुए लोगों के लिए ठंड सम्बन्धित कोई भी दिक्तत नहीं होनी चाहिए पूरे इन्तजाम होंने चाहिए ।समय–समय पर रैन बसेरे में पहुँच कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें । रैन बसेरों में ठंढ़ से बचाव के लिए अलाव की भी व्यवस्था होनी चाहिए । इस अवसर पर उप जिला अधिकारी न्यायिक हसनपुर बृजपाल सिंह सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

आरएसएस का मुख्य मागी पर हुआ भव्य पद संचलन

हसनपुर/अमरोहाः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आज शिशु बाल संचलन की यात्रा रहरा कस्बे के मुख्य मार्ग से होते हुए निकाली गई। पथ संचलन में सैकड़ों से अधिक स्वयंसेवक शामिल हुए।साहस, शौर्य, धैर्य और पराक्रम के प्रतीक पथ संचलन कस्बे के प्रकाश वीर शास्त्री इण्टर कॉलेज से शुरू हुआ और कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस इंटर कॉलेज पंहुचा जहां उसका समापन किया गया।

बता दें कि पहली बार निकले ईतनी बड़ी संख्या में पथ संचलन का ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने भी कस्बे के मुख्य चौराहे पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। वहीं जगह–जगह अन्य कार्यकर्ताओं ने भी पथ संचालन पर पुष्प बरसाए। इससे पहले वक्ताओं ने देश की एकता अखंडता को बनाए रखने के लिए लोगों का आवाहन किया ।

उन्होंने कहा कि आज देश को एकता के सूत्र में बाधने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए।

भारत एक हिंदू राष्ट्र है और हमें लोगों को इस और जागरूक करने की भी आवश्यकता है। साथ ही पथ संचलन के दौरान जय जय श्रीराम के नारे भी गूंजे पथ संचलन में स्वयंसेवक संघ के जिला कारवाह होशियार, खंड कारवाह रामनिवास, लक्ष्य, किशन, विशाल, अमित, सतवीर सहित सैकड़ों स्वयंसेवक शामिल हुए।

भीषण हादसे में 4 की मौत, गाड़ी से भिड़ी एक कार, बाइक सवार को रौंदा

अमरोहाः अमरोहा–अतरासी मार्ग पर शनिवार देर रात दो कारों की टक्कर में ग्राम प्रधान समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची कई थानों की फोर्स क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाते हुए बमुश्किल यातायात सुचारू कराया गया। हादसे की वजह ओवरटेक में बरती गई चूक बताई जा रही है। पुलिस फरार हुए एक कार के चालक की तलाश में जुटी है। रजबपुर थाना क्षेत्र के हाकमपुर गांव के प्रधान 40 वर्षीय विशाल शनिवार देर रात गांव के ही अपने साथी 42 वर्षीय राजन पुत्र रमेश, 38 वर्षीय मनोज पुत्र सतपाल व अंकित पुत्र कुंवर सिंह के साथ क्रेटा कार से अमरोहा से गांव की और जा रहे थे।

जैसे ही उनकी कार अतरासी ओवरब्रिज से नीचे उतरी, तभी पीछे से आई अर्टिगा कार ने उनकी कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों कारों की टक्कर में बेकाबू हुई क्रेटा सामने से आ रहे गुलड़िया रोड निवासी बाइक सवार अमित को रौंदते हुए सड़क किनारे पलट गई। हादसे में क्रेटा सवार विशाल, मनोज, राजन और बाइक सवार अमित की मौके पर मौत हो गई तो वहीं अंकित गंभीर घायल हो गया। अमरोहा देहात समेत कई थानों की फोर्स ने हालात को संभाला।

क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराने के साथ ही शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। घायलों को भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं डीएम राजेश कुमार त्यागी, एसपी कुंवर अनुपम सिंह आदि भी मौके पर पहुंच गए।

हादसे के बाद सड़क पर मची अफरातफरी, लगा जाम

अमरोहा देहात समेत कई थानों की फोर्स ने हालात को संभाला। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कराने के साथ ही शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। घायलों को भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं डीएम राजेश कुमार त्यागी, एसपी कुंवर अनुपम सिंह आदि भी मौके पर पहुंच गए।

द आर्यस के विद्यार्थियों ने की मतदाता पहचान पत्र बनवाने की अपील की

अमरोहा। कलक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की उपस्थित में जनपद अमरोहा के शिक्षण संस्थान द आर्यस, जोया के छात्र–छात्राओं द्वारा मतदाता पहचान पत्र बनवाने व मतदान करने के लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुति दी गई ।

जिसमें दिशा शौर्य तनिष्क लकी दिग्विजय अभिजीत यक्ष, यजत खुशी मान्या, ग्रेसी, तनिष्क, मान्वी, वृष्टि ज्योत्सना और ओजस्वी आदि छात्र–छात्राओं ने सारे काम छोड़ देना सबसे पहले वोट देना लोकतंत्र का आधार मतदान का अधिकार जैसे नारों के माध्यम से कलेक्ट्रेट को गुंजायमान किया। साथ ही मतदाताओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान के लिए शपथ भी दिलाई गई तथा नुक्कड़ नाटक के द्वारा चुनाव में प्रयोग होने वाले धन बल पर व्यंग्य करते हुए लोगों को उनके वोट का महत्व समझाया और योग्य उम्मीदवार चुनने की अपील की गई। इसमें जागृति कौशिक का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपरजीलधिकारी सुरेन्द्र सिंह, उपनिदेशक कृषि सहित अन्य अधिकारी व प्रबंधक अनिल कुमार सिंह तथा निदेशक अमन लिट्ट और प्रधानाचार्य अजय कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे ।

जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी ने निराश्रित एवं असहाय लोगों को किए कंबल वितरित

संभल (बहजोई) :– नगर पालिका बहजोई स्थित बस स्टैंड के निकट वर्तमान में ठंड से बचाव हेतु जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने निराश्रित, असहाय लोगों को कंबल का वितरण किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देश के क्रम में शीत लहर के दृष्टिगत जनपद में कंबलों का वितरण जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को किया जा रहा है इसके साथ ही साथ रैन बसेरे का भी संचालन शुरू कर दिया गया है। आने वाले समय में भी कंबलों का वितरण किया जाता रहेगा।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर दीपक चौधरी, आपदा प्रबंधन से ए के यादव सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 120 नव वैवाहिक जोडों का हुआ विवाह

सम्भल (बहजोई):– सम्भल तहसील के ग्राम कुरावली स्थित ए. के. रिसोर्ट में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 120 नव वैवाहिक जोडों का विवाह रीति रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। इन वैवाहिक जोडों में 106 हिन्दू जोड़े एवं 14 मुस्लिम जोड़े थे। कार्यक्रम के अंतर्गत वहां उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया भाजपा के पश्चिमी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल ने अपने संबोधन में नव वैवाहिक जोडों को शुभकामनाएं एवं बधाइयाँ दीं तथा शासन के द्वारा चलायी जा रहीं योजनाओं के विषय में भी बताया।<

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम नव वैवाहिक जोड़ों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि नव वैवाहिक जोड़ों के लिए आज एक महत्वपूर्ण दिवस है एक नए जीवन की शुरुआत आप लोग करने जा रहे हैं । माननीय मुख्यमंत्री जी की उदारता है कि उनके द्वारा इस प्रकार की एक बहुत ही लाभदायक योजना ना सिर्फ संचालित की गई बल्कि कुल लाभ की धनराशि को भी बढ़ाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आपका आने वाला जीवन सुखद हो यही कामना है और उन्होंने कहा कि स्त्री परिवार को सुखद बनाती है उसकी नींव रखती है परिवार में सभी लोगों को बांध कर रखती है बच्चों को भी अच्छी शिक्षा एवं संस्कार देने का कार्य करती है। मैं उम्मीद करता हूं कि आज जितने भी पुरुष वैवाहिक सूत्र में बंध रहे हैं वह अपनी नव विवाहिता को आदर सम्मान से रखेंगे एक संयुक्त रूप से टीम के रूप में बेहतर करेंगे । नव विवाहिताएं भविष्य में शासन की एनआरएलएम योजना का हिस्सा बने इससे उनको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा एवं स्वावलम्बी बनने का भी मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि छोटा परिवार सुखी परिवार होता है आप सभी से यह अनुरोध है कि इस विशेष बिंदु पर भी आप लोगों को ध्यान देना है।

इसके उपरांत जिलाधिकारी मनीष बंसल , मुख्य विकास अधिकारी कमलेश सचान एवं पश्चिमी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा पांच नव वैवाहिक जोड़ों को प्रमाण पत्र का वितरण किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी एसपी शाक्य, एआईजी स्टाम्प मुकेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, खंड विकास अधिकारी सम्भल प्रेमपाल सिंह, खंड विकास अधिकारी असमौली अजीत सिंह एवं डीपीओ चंद्रभूषण एवं ब्लॉक प्रमुख असमोली, तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल रामपाल एवं जनप्रतिनिधि गण तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लिटिल स्कॉलर्स एकेडमी में छात्र–छात्राओं ने मनाया क्रिसमस–डे

अमरोहा, लिटिल स्कॉलर्स एकेडमी में क्रिसमस–डे पर्व पर कार्यक्रम आयोजित किया गया कनर्सरी से कक्षा दो तक के छात्र–छात्राओं ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया। अन्य छात्र–छात्राओं ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उत्साहित छात्र–छात्रा सेंटा क्लॉज व रंग–बिरंगी पोशाक पहनकर पहुंचे, जिन्हें सभी ने सराहा। किंडरगार्डन के छात्र–छात्रा विराट, इनाया, मारिया, अली रियान, शिवा, अन्विका, अरिहंत, कियारा, सारा, पवनी, अदा के प्रदर्शन को विशेष प्रशंसा मिली। कक्षा एक व दो के छात्र–छात्रा रूशाली, अदीबा, अवनी, आयत, दीया, मनस्वीर, वन्याद, आरोही, मफरूहा, फैंजा की प्रस्तुतियों को भी सराहा गया। कक्षा चार के छात्र–छात्राओं ने क्रिसमस पर्व से जुड़ी अपनी विशेष प्रस्तुति दी।

शिकायतों के निस्तारण में अमरोहा जनपद को उत्तर प्रदेश रैंकिंग में मिला प्रथम स्थान

अमरोहा : उ0प्र0 सरकार की ऑनलाइन शिकायत प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल कॅम्प से प्राप्त शिकायतों को जनपद अमरोहा पुलिस द्वारा समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारित किया गया जिसके फलस्वरूप प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में अमरोहा को माह नवम्बर–2023 में प्रदेश स्तर पर जारी की गई रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । जनपद अमरोहा पुलिस के जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों का मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय से मूल्यांकन किया गया तो जनपद अमरोहा की कार्यवाही 100% रही व प्रथम रैंक रही ।

जनसुनवाई पोर्टल कॅम्प से प्राप्त शिकायतो को जनपद अमरोहा पुलिस द्वारा समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारित किया गया जिसके फलस्वरूप प्राप्त शिकायतो के निस्तारण में अमरोहा को माह नवम्बर–2023 में प्रदेश स्तर पर जारी की गई रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । जनपद अमरोहा पुलिस के जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त संदर्भो का मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय से मूल्यांकन किया गया तो जनपद अमरोहा की कार्यवाही 100% रही व प्रथम रैंक रही ।

पुलिस अधीक्षक अमरोहा कुँवर अनुपम सिंह द्वारा स्वयं जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को त्वरित व समयबद्ध निस्तारण हेतु समस्त अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को लगातार निर्देशित किया जाता है एवं महोदय द्वारा जनसुनवाई पोर्टल कॅम्प के कार्यों की स्वयं मॉनिटरिंग की जाती है । जनसुनवाई पोर्टल से प्राप्त शिकायतों को पुलिस कार्यालय में गठित कॅम्प शाखा द्वारा संबंधित थानों को प्रेषित की जाती है । समस्त थाना प्रभारियों द्वारा प्राप्त संदर्भों की जांच आख्या ऑनलाइन दिए गए समय सीमा के अंदर संबंधित को प्रेषित की जाती है और आवेदक पुलिस कार्यवाही से संतुष्ट है कि नहीं इसका फीडबैक कॅम्प शाखा में नियुक्त कर्मचारियों द्वारा लिया जाता है । कॅम्प शाखा में नियुक्त पुलिसकर्मी निरीक्षक प्रभाकर शर्मा (प्रभारी कॅम्प), आरक्षी सारुल चौहान, आरक्षी प्रशान्त चौहान व म0 आरक्षी रीना ढाका द्वारा लगन व निष्ठा से कार्य किया गया जिसके परिणामस्वरुप जनपद अमरोहा माह नवम्बर में कॅम्प के निस्तारण में प्रदेश में अव्वल रहा । पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा कॅम्प में नियुक्त उपरोक्त पुलिसकर्मियों के कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया ।आपको बता दें कि विगत 05 माह जून, जूलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर 2023 में भी जनसुनवाई पोर्टल कॅम्प के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में जनपद अमरोहा की कार्यवाही 100% रही व उत्तर प्रदेश में रैंक प्रथम रहा।

प्लास्टिक उन्मूलन महाभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

अमरोहा, प्लास्टिक उन्मूलन महाभियान के तहत शनिवार को नगर के मुख्य मार्गों से जागरूकता रैली निकाली गई। पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया कि प्लास्टिक की पॉलिथीन नालियों में कचरा जमा करती हैं, जिससे प्रदूषण होता है। आम जनता से खरीदारी के लिए निकलते वक्त कपड़े व जूट से बने थैलों का प्रयोग करने की अपील की।

कहा कि नगर को साफ रखने में जनता को पालिका प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। प्लास्टिक की पॉलिथीन का त्याग कर कपड़े से बने थैलों का प्रयोग करना चाहिए। बताया कि प्लास्टिक की पॉलिथीन नालियों में कचरा जमा करती हैं, जिससे प्रदूषण होता है। आम जनता से खरीदारी के लिए निकलते वक्त कपड़े व जूट से बने थैलों का प्रयोग करने की अपील की। इस दौरान ईओ अरुण यादव, नगर स्वच्छता प्रेरक सिम्मी अग्रवाल समेत पालिकाकर्मी सोनू पिवाल, उमेश सैनी, आरती शर्मा, गुरुबचन सिंह, मधुसूदन गोयल, बाबू शेख आदि रहे।

हमारी सरकार बोलती कम और काम ज्यादा करती है

मुरादाबादः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मुरादाबाद के दौरे पर थे। यहां उन्होंने अपने सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि हमारा केवल और केवल प्रदेश और जनता का विकास करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। हमने प्रदेश को देश का सबसे उन्नत राज्य बनाने के लिए तमाम प्रयास किए हैं। प्रदेश में विकास की रफ्तार तेजी से चल रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस, बुंदेलखंड एक्सप्रेस बनकर तैयार है। पश्चिमी यूपी को लखनऊ वाराणसी व प्रयागराज से जोड़ने के लिए गंगा एक्सप्रेसवे का युद्धस्तर पर कार्य चल रहा है।

वहीं इस जनसभा में पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि उनकी पहचान ही दंगा कराने वालों की बन गई थी। लेकिन आज प्रदेश में कहीं भी दंगा नहीं होता है। दंगाइयों को मालूम है कि अगर उन्होंने जरा सी भी हरकत की तो उन्हें ही नहीं बल्कि पूरे परिवार को क़ानून का सामना करना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि पहले की सरकारों के शासन के दौरान प्रदेश में लगातार दंगा होता था। अब कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों से सख्ती से निपटा जाता है। अब प्रदेश में दंगा नहीं होता है, अब लोग कहने लगे हैं 'कर्फ्यू न दंगा, यूपी में सब चंगा'।'पहले की सरकारें प्रदेश में विकास कार्य केवल कागजों पर करवाती थीं'

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकारें प्रदेश में विकास कार्य केवल कागजों पर करवाती थीं। योजनाएं बन जाती थीं, उनके लिए पैसे भेज दिए जाते थे। कागजों पर काम पूरा बता दिया जाता था और पैसे उनकी ही जेबों में पहुंच जाते थे और जनता विकास कार्यों के लिए इंतजार ही करती रह जाती थी। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। आज जनता के लिए भेजा गया एक–एक पैसा उन तक पहुंच रहा है। आज किसी की हिम्मत नहीं होती है कि वह गबन करे। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार बोलती कम है और काम ज्यादा करती है। हमारे कामों के गवाह प्रदेश की जनता है।

> योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकारें प्रदेश में विकास कार्य केवल कागजों पर करवाती थीं। योजनाएं बन जाती थीं, उनके लिए पैसे भेज दिए जाते थे। कागजों पर काम पूरा बता दिया जाता था और पैसे उनकी ही जेबों में पहुंच जाते थे और जनता विकास कार्यों के लिए इंतजार ही करती रह जाती थी। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। आज जनता के लिए भेजा गया एक–एक पैसा उन तक पहुंच रहा है। आज किसी की हिम्मत नहीं होती है कि वह गबन करे। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार बोलती कम है और काम ज्यादा करती है।

बरेली में 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया कानूनगो

बरेलीः यूपी के बरेली में एक कानूनगो को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

यूपी पुलिस की बरेली इकाई की भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) टीम ने शनिवार को ये कार्रवाई की। कानूनगो मीरगंज तहसील में एक किसान से पांच हजार रुपये रिश्वत ले रहा था। बरेली के पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी ने बताया कि मीरगंज तहसील में तैनात कानूनगो श्यामलाल के खिलाफ कोतवाली सीबीगंज में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है कानूनगो को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीओ की ओर से यह जानकारी दी गयी कि तहसील मीरगंज के नौसेना गांव के हबीब अहमद और नबी अहमद ने पौने दो बीघा जमीन की पैमाइश कराने के लिए आवेदन किया था।आरोप लगाया कि कानूनगो श्यामलाल ने उनसे सात हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। हबीब अहमद ने शुक्रवार को बरेली के एसीओ कार्यालय में इस मामले में शिकायत की थी।

संक्षेप खबरें

मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा के खिलाफ केस दर्ज, पत्नी से की मारपीट

उत्तर प्रदेश के नोएडा में मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा के खिलाफ ।क्फ़दर्ज हुई है। विवेक बिंद्रा पर आरोप हैं कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की है। मामूली विवाद में पत्नी के साथ मारपीट करने के मामले में 'मोटिवेशनल स्पीकर' विवेक बिंद्रा के खिलाफ नोएडा के सेक्टर–126 थाने में केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित महिला के भाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

नोएडा में आज और कल बंद या बदला जाएगा इन रूट्स पर ट्रैफिक, श्क्ब्र का रहेगा जमावड़ापुलिस के मुताबिक, पिटाई के बाद महिला का कई दिन तक दिल्ली के निजी अस्पताल में इलाज चलता रहा। आरोप है कि महिला के साथ इस कदर मारपीट की गई है कि उनके कान का पर्दा तक फट गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। इसी संबंधित विवेक बिंद्रा का पत्नी से झगड़े का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है वह अपनी सोसाइटी के मेन गेट पर अपनी पत्नी के साथ जबदस्ती कर रहे हैं।पीड़ित पत्नी के भाई वैभव क्वात्रा ने पुलिस में जो शिकायत दी है उसमें उसने बताया, मेरी बहन की शादी 6/12/2023 को ललित मानगर होटल मे विवेक बिन्द्रा से हुई थी। जो नोएडा में सुपरनोवा वेस्ट रेसीडेन्सी, फ्लैट– 4209, सेक्टर 94 में रहते हैं। 7/12/2023 की सुबह 2.30 से 3.00 बजे के बीच मेरे जीजा विवेक बिन्द्रा अपनी मां प्रभा जी से बहस बाजी कर रहे थे।

इस बात को लेकर मेरी बहन यानिका ने बीच बचाव किया तो मेरे जीजा ने मेरी बहन के साथ कमरा बन्द करके गाली–गलौज करते हुए खूब मारपीट की, जिसकी वजह से उसके पूरे शरीर पर घाव हैं। कान से सुनाई भी नही दे रहा। बाल भी खूब नोचे और सर के घाव की वजह से चक्कर भी आ रहे हैं। जिसका इलाज कडकड़डुमा दिल्ली स्थित कैलाश दीपक हॉस्पिटल में हो रहा है।

न्यू ईयर पर नोएडा में11 बजे रात तक खुली रहेंगी शराब की दुकानें

नोएडा , क्रिसमस डे और नववर्ष के उत्सव को ध्यान में रखते हुए गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 24 दिसंबर और 31 दिसंबर को शराब की दुकानें सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक खुली रहेंगी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक शराब की दुकान खोलने का समय सुबह 10 से रात 10 बजे तक है। यानी क्रिसमस और न्यू ईयर पर शराब की दुकान खुलने का समय एक घंटे और बढ़ाया गया है। उत्तर प्रदेश के आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन सी के आदेश के बाद यह कदम उठाया गया है। गौतमबुद्ध नगर जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने बताया, ''आदेश के अनुपालन में, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अधिकृत शराब की दुकानें 24 और 31 दिसंबर को सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक खुली रहेंगी।''

इससे पहले आबकारी विभाग ने इस सप्ताह की शुरुआत में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के निवासियों से कहा था कि यदि वे ऐसे समारोह आयोजित करना चाहते हैं, जिसमें शराब परोसी जाएगी तो उसके लिए एक अलग श्रेणी के तहत बार लाइसेंस लेना होगा। श्रीवास्तव ने कहा,

''यह लाइसेंस सिर्फ एक दिन के लिए ही वैध रहेगा और समारोह में अन्य राज्यों की शराब नहीं परोसी जा सकती।'' अधिकारियों ने चेतावनी दी कि शराब परोसने के लिए वैध लाइसेंस नहीं होने पर जुर्माना और गिरफ्तारी सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

आबकारी अधिकारी श्रीवास्तव ने बताया था कि पार्टियों में शराब परोसने के लिए लाइसेंस दो श्रेणियों में उपलब्ध हैं। पहली श्रेणी घरेलू पार्टी की है जिसमें जुटने वाले लोगों की संख्या कम होती है और इसके लिए 4000 रुपये का शुल्क है।

आजम परिवार के लिए कहीं खुशी कहीं गम, कोर्ट ने दो मामलों में सुनाया फैसला

रामपुरः समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान और अब्दुल्ला आजम खान से संबंधित दो मामलों में आज रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने फैसला सुनाया। एक मुकदमे में आजम खान को झटका लगा तो दूसरे मुकदमे में आजम खान को बड़ी राहत भी मिली।

बता दें कि पड़ोसी से मारपीट मामले में आज एमपी एमएलए सेशन कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आजम खान और अब्दुल्ला आजम, शरीफ खान और बिलाल खान को बरी कर दिया है। वहीं अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में आजम खान, अब्दुल्ला आजम और तंजीन फातिमा को हुई 7 साल की सजा के खिलाफ की गई अपील को कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

यहां बता दें कि साल 2013 में यूपी की समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान आजम खान के पड़ोसी मोहम्मद अहमद के मकान और दुकानों को तोड़ने का प्रयास किया गया था। इस मामले में जब विवाद बढ़ा तो पीड़ित पक्ष कोर्ट पहुंचा। वहीं आजम खान के पीड़ित पड़ोसी ने आरोप लगाए थे कि कोर्ट में मामला पहुंचने के बाद आजम खान के इशारे पर उनके भाई और भतीजे ने उन्हें रास्ते में घेरकर उसके साथ मारपीट की थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर आजम खान, उनके भाई सेवानिवृत्त इंजीनियर शरीफ खान, बेटे और भतीजे के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। इसी मामले में कोर्ट ने आज चारों को बरी कर दिया है। फर्जी

जन्म प्रमाण पत्र मामला

इसके अलावा दूसरे मामले की बात करें तो बीते अक्टूबर में रामपुर की एक अदालत ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के पांच साल पुराने मामले में दोषी ठहराया था। इसके साथ ही तीनों को 07 साल की सजा सुनाई थी। एमपी–एमएलए मजिस्ट्रेट शोभित बंसल की अदालत ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के मामले में ये सजा सुनाई थी। 03 जनवरी 2019 को रामपुर के गंज पुलिस थाने में भाजपा विधायक आकाश सक्सेना द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि आजम खान और उनकी पत्नी ने अपने बेटे के दो फर्जी जन्मतिथि प्रमाण पत्र प्राप्त किए हैं।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले 'दुल्हन' की तरह सज रही अयोध्या

अयोध्या , अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले विकास कार्य तेजी से चल रहा है। अयोध्या के डिविजनल कमिश्मर गौरव दयाल ने बताया कि मुख्य रूप से चार कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। जिनमें से तीन पूरे हो चुके हैं। रामपथ पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। सारे कार्य 30 दिसंबर तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है। फ्लाइओवरों का निर्माण चरणवार किया जाएगा। राम जन्मभूमि तक पहुंचने के लिए जो दो फ्हइ हैं वो जल्द ही चालू हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि कुछ लेन 30 दिसंबर तक चालू हो जाएंगी और अन्य काम पूरा होने पर खुल जाएंगी।

बताया जा रहा है कि अयोध्या नगरी को दुल्हन की तरह से सजाया जा रहा है। राम मंदिर की तरफ जाने वाले मार्गों, दीवारों को पेंट कर रामायण काल की कलाकृतियां बनाई जा रही हैं। विकास कार्य का जायजा लेने खुद मुख्यमंत्री मंत्री

योगी आदित्यनाथ समय–समय पर अयोध्या आते रहते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए यहां तमिल और तेलुगू सहित अलग–अलग भाषाओं में पट्टिकाएं लगाई जाएंगी। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी जोन) पीयूष मोर्डिया ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रमुख मंदिरों की तरफ जाने वाले मार्गों को चिह्नित करने की योजना बनाई गई है और जिस मार्ग से पैदल यात्री जाएंगे उन पर वाहनों को जाने से रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्गों की आवश्यकता के अनुरूप योजना तैयार की जा रही है।

नए साल को लेकर नोएडा में एडवाइजरी जारी, एहतियात बरतने की सलाह

नोएडा : एनसीआर में कोरोना वायरस के मामले सामने आने के बाद गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) जिला स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य विभाग ने क्रिसमस तथा नए साल के अवसर पर जश्न के दौरान संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका जताई है। गाजियाबाद और नोएडा में संक्रमण का एक–एक मामला सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने परामर्श जारी कर लोगों को कोविड–19 से बचाव संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है।

जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर सुनील शर्मा ने जारी अलर्ट में कहा है कि वायरस का नया वैरिएंट खतरनाक नहीं है लेकिन इसके संक्रमण से बचने की जरूरत है। इसे देखते हुए लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, साथ ही सार्वजनिक जगहों पर सामाजिक दूरी का पालन, मास्क का उपयोग जैसे कोविड–19 संबंधी दिशानिर्देशों का का पालन करने का सुझाव दिया है।

बचाव के लिए सावधानी जरूरी

सीएमओ ने कहा कि वायरस के नए वैरिएंट से डरने की जरूरत नहीं है। लेकिन, बचाव के लिए सावधानी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर खांसी–जुकाम होने पर लोग खुद दवा दुकानदारों से दवा ले लेते हैं, जो ठीक नहीं है। सीएमओ ने खांसी–जुकाम अथवा फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर डॉक्टर से सलाह लेकर ही दवा लेने का सुझाव दिया है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल समेत जिले के सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कोविड–19 की जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों को फ्लू अथवा कोविड–19 के लक्षण नजर आने पर तुरंत जांच कराने के आदेश दिए जा चुके हैं।

जिला पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ.अमित कुमार ने कहा कि क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान कोविड–19 संबंधी दिशानिर्देशों का ध्यान रखना जरूरी है, इससे संक्रमण बढ़ने से रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मधुमेह, टीबी, कैंसर, अस्थमा या किसी अन्य बीमारी से ग्रसित लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी परामर्श जारी कर इंफ्लुएंजा जैसी बीमारियों (आईएलआई) और श्वसन संबंधी गंभीर संक्रमण के मामलों में सभी मरीजों की आरटीपीसीआर जांच कराने के लिए कहा गया है और संक्रमण की पुष्टि होने पर नमूने के जीनोम सीक्वेंसिंग के आदेश दिए गए हैं। जिले में कई अस्पतालों सहित कासना स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में तैयारी शुरू कर दी गई है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री को कोर्ट ने सुनाई 3 साल की सजा, 10 लाख का लगाया जुर्माना

प्रयागराजः यूपी के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री राकेश धर त्रिपाठी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में कोर्ट का फैसला आ गया है। मामला प्रयागराज की एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रहा था। वहीं फैसला सुनाते हुए एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट ने पूर्व मंत्री के लिए सजा का ऐलान किया है। अदालत ने पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश धर त्रिपाठी को 3 साल की कैद और 10 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके साथ ही एमपी एमएलए कोर्ट ने राकेश धर त्रिपाठी को कस्टडी में लेकर जेल भेजने का आदेश दिया है।

पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री राकेश धर त्रिपाठी को स्पेशल जज एमपी एमएलए कोर्ट डॉ दिनेश चंद्र शुक्ला ने सजा सुनाई है। इस मामले में कोर्ट ने अभियोजन और बचाव पक्ष की बहस पूरी होने के बाद तीन दिन पहले ही अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था। पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत आरोप तय किया गया था। वहीं विजिलेंस के इंस्पेक्टर रामसुख राम ने पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री राकेश धर त्रिपाठी के

खिलाफ प्रयागराज के मुठ्ठीगंज थाने में 23 नवंबर 2012 को केस दर्ज कराया था।

हालांकि सजा का ऐलान होने के बाद पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी की तरफ से कोर्ट में जमानत की अर्जी दाखिल की गई। इस मामले में एमपी एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। वहीं सुनवाई के बाद एमपी एमएलए कोर्ट से पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को जमानत मिल गई। पूरा मामला आय से अधिक संपत्ति मामले से जुड़ा हुआ है। वहीं अब कोर्ट ने तीन साल की सजा का फैसला सुनाए जाने के बाद पूर्व मंत्री को जमानत दे दी है। कोर्ट में पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी की अधिक उम्र और खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया गया था। वहीं अब कोर्ट ने मामले में पूर्व मंत्री को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है।

छठवी क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने रील देखने के बाद लगाई फांसी हुई मौत

हमीरपुरः यूपी के हमीरपुर जिले से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के सुमेरपुर कस्बे में कक्षा छह के एक छात्र ने कथित तौर पर यू–ट्यूब पर रील देखकर फांसी लगा ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सुमेरपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राम आसरे सरोज ने बताया कि सुमेरपुर कस्बे में अवधेश साहू के पुत्र निखिल साहू (11) ने गुरुवार को यू–ट्यूब पर रील देखकर फांसी लगा ली।

> सुमेरपुर कस्बे में कक्षा छह के एक छात्र ने कथित तौर पर यू–ट्यूब पर रील देखकर फांसी लगा ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सुमेरपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राम आसरे सरोज ने बताया कि सुमेरपुर कस्बे में अवधेश साहू के पुत्र निखिल साहू (11) ने गुरुवार को यू–ट्यूब पर रील देखकर फांसी लगा ली।

क्या है पूरा मामला ?

राम आसरे ने बताया कि शाम को परिवार के सभी लोग पड़ोस में गए हुए थे, उस दौरान घर में अकेला निखिल यू–ट्यूब पर रील देख रहा था और उसने फांसी लगा ली। थाना प्रभारी ने बताया कि जब परिजन घर पहुंचे तो निखिल को फांसी के फंदे पर लटका देखा और फिर पुलिस को सूचना दी गई।

राम आसरे ने बताया, उसने आत्महत्या करने के तरीकों के बारे में यूट्यूब पर एक रील देखी और फांसी लगा ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले भेजा गया, जिसमें पुष्टि हुई कि उसकी मौत आत्महत्या (गला दबने से) से हुई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मोबाइल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी ने भाई की जान बचाने के लिए डोनेट की किडनी, पति ने मांगे 40 लाख

गोंडा (उप्र): गोंडा जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र में अपने भाई की जान बचाने के लिए गुर्दा (किडनी) दान करने वाली महिला को विदेश में नौकरी कर रहे उसके पति द्वारा तीन तलाक दिए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। सदर क्षेत्र की पुलिस क्षेत्राधिकारी शिल्पा वर्मा ने शुक्रवार को बताया कि पीड़ित महिला तरन्नुम (42) की तहरीर पर जिले के धानेपुर थाने में उसके पति मोहम्मद रशीद के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दूसरी शादी कर कमाने सऊदी गया पति

25 साल पहले धानेपुर थाना क्षेत्र के बौरियाही गांव की निवासी तरन्नुम का निकाह पड़ोसी गांव जैतापुर के निवासी मोहम्मद रशीद के साथ हुआ था। शादी

के 5 साल बाद तक तरन्नुम को कोई संतान न होने पर मोहम्मद रशीद ने दूसरी शादी कर ली और खुद कमाने के लिए सऊदी अरब चला गया। सीओ ने बताया कि मुंबई में रहकर सिलाई का काम करने वाले तरन्नुम के बड़े भाई मोहम्मद शाकिर की किडनी खराब थी और उसका इलाज मुंबई के जसलोक

> सीओ ने बताया कि बाद में तरन्नुम के पति ने उसे फोन कर भाई को किडनी देने के बदले में उससे 40 लाख रुपये मांगने के लिए कहा। तरन्नुम के मना करने पर करीब 4 महीने पहले उसके पति ने वाट्सएप्प पर फोन कर तीन बार तलाक बोलकर उसे तलाक दे दिया। तरन्नुम ने यह बात ससुराल वालों को बताई जिन्होंने उसे घर से निकाल दिया। तब से वह अपने मायके में ही रह रही है। सीओ वर्मा ने कहा कि धानेपुर थाने में पीड़ित महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अस्पताल में चल रहा था। डॉक्टरों ने उसका जीवन बचाने के लिए किडनी ट्रांसप्लांट किए जाने की सलाह दी। इस पर तरन्नुम ने अपने भाई की जान बचाने के लिए सऊदी अरब में अपने पति से बात करके अपनी एक किडनी भाई को दान कर दी।

दर्ज शिकायत के हवाले से सीओ ने बताया कि बाद में तरन्नुम के पति ने उसे फोन कर भाई को किडनी देने के बदले में उससे 40 लाख रुपये मांगने के लिए कहा। तरन्नुम के मना करने पर करीब 4 महीने पहले उसके पति ने वाट्सएप पर फोन कर तीन बार तलाक बोलकर उसे तलाक दे दिया। तरन्नुम ने यह बात ससुराल वालों को बताई जिन्होंने उसे घर से निकाल दिया। तब से वह अपने मायके में ही रह रही है। सीओ वर्मा ने कहा कि धानेपुर थाने में पीड़ित महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

देह व्यापार के मामले में राजनीतिक पार्टी की जिलाध्यक्ष समेत 6 गिरफ्तार

कासगंजः जिले की पुलिस ने देह व्यापार पर रोक लगाने को लेकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने देह व्यापार के एक अड्डे पर छापेमारी की है। यहां महानगरों की तर्ज पर सोशल नेटवर्क के जरिए देह व्यापार का धंधा किया जा रहा था। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग भी की जाती थी। वहीं जांच में यह खुलासा हुआ है कि एक राजनीतिक पार्टी की जिलाध्यक्ष इस देह व्यापार को संचालित कर रही थी। फिलहाल पुलिस व प्रशासन की सयुक्त टीमों ने छापेमार कार्रवाई कर मौके से 02 युवकों और 04 युवतियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान पुलिस ने 44 हजार रुपए, 5 मोबाइल, 3 पैकेट कंडोम, बीयर की केन और सिगरेट सहित अन्य आपत्तिजनक सामान मौके से बरामद किया है।

बता दें कि पूरा मामला कासगंज के कोतवाली सदर क्षेत्र के अहरौली गांव का

है। यहां पर पुलिस ने देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। यहां पर कासगंज जिले के अलावा आस–पास के जिलों से भी युवतियों की सप्लाई होती थी। इसके साथ ही प्रतिदिन लड़कियों की लिस्ट अपडेट होती थी।

जिस्मफरोशी का यह धंधा एक राजनीतिक पार्टी की जिलाध्यक्ष द्वारा संचालित किया जा रहा था। वहीं पुलिस की छापेमारी में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस ने छापेमार कार्रवाई करते हुए मौके से 04 युवतियों और दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही मौके से पुलिस ने 44 हजार रुपए, 5 मोबाइल, 3 पैकेट कंडोम, बीयर की कई केन और सिगरेट सहित अन्य आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है।

उत्तरकाशी टनल हादसे में मिली कई खामियां

नई दिल्लीः उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग के ढहने की जांच जारी है. शुरूआती जांच रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि ये हादसा कई वजह से हुआ. जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरकाशी सुरंग हादसे की वजह परियोजना का गलत अलाइनमेंट और कटाव वाले इलाके में होना है. इसके अलावा ये हादसा पहले के हादसों से सबक न लेने का भी नतीजा रहा है जिसे बिना 'रि–प्रोफाइलिंग' के ही आगे बढ़ाया गया. 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे में पिछले रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं दिया गया. जिसके चलते पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किए गए. यही नहीं रिपोर्ट में ये बात भी सामने आई है कि ठेकेदार को एनएचआईडीसीएल द्वारा नियुक्त किए गए इंजीनियर से काम करने की इजाजत नहीं मिली थी.

बता दें कि सिल्क्यारा टनल हादसे पर शुक्रवार को विशेषज्ञों के पैनल ने सड़क परिवहन मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी. रिपोर्ट में कहा गया कि कार्यस्थल पर सेंसर और दूसरे जरूरी उपकरण भी कम पाए गए. जो री–प्रोफाइलिंग काम के दौरान जमीनी व्यवहार को पकड़ते हैं. जिससे काम के वक्त जरूरी सावधानी बरती जा सके. इसके साथ ही इस हादसे में उचित निगरानी की भी कमी सामने आई है. सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि पहले दो मौकों पर गड्ढे थे. जो दिखाते हैं कि ठेकेदार को काम करते समय अधिक सावधानी बरतने की जरूरत थी.

> इस रिपोर्ट में भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने का रास्ता भी सुझाया गया है. जिसमें सड़क और रेलवे के लिए सुरंग बनाने, सुरंग सुरक्षा के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के साथ–साथ विशेष रूप से हिमालय क्षेत्र में परियोजनाओं को ठीक से पूरा करने के उपाय बताए गए हैं. इसमें कहा गया है कि बेहतर योजना और पूरा करने के लिए गति शक्ति मंच एक भूवैज्ञानिक सहयोगात्मक ढांचे की जरूरत होती है. बता दें कि सिलक्यारा टनल हादसे पर अभी पूरी रिपोर्ट आनी बाकी है.

इसके साथ ही एनएचआईडीसीएल को काम की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए थी. लेकिन ऐसा नहीं किया गया. इससे पहले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया था कि इस सुरंग ढहने की घटना से पहले भी 21 बार ऐसे हादसे हो चुके हैं. बावजूद इसके सिलक्यारा में इस तहत का हासदा हो गया और 41 मजदूरों की जान 17 दिनों तक सुरंग में फंसी रही.

इस रिपोर्ट में भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने का रास्ता भी सुझाया गया है. जिसमें सड़क और रेलवे के लिए सुरंग बनाने, सुरंग सुरक्षा के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के साथ–साथ विशेष रूप से हिमालय क्षेत्र में परियोजनाओं को ठीक से पूरा करने के उपाय बताए गए हैं. इसमें कहा गया है कि बेहतर योजना और पूरा करने के लिए गति शक्ति मंच एक भूवैज्ञानिक सहयोगात्मक ढांचे की जरूरत होती है. बता दें कि सिलक्यारा टनल हादसे पर अभी पूरी रिपोर्ट आनी बाकी है.सीमा सड़क संगठन, रेलवे के अधिकारियों और दो प्रोफेसरों वाला पैनल इस मामले की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहा है.

संक्षेप खबरें

मध्य प्रदेश में सरकारी मशीनरी को रफ्तार देने की कोशिश

भोपालः मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के तौर पर कुर्सी संभालने के बाद डॉ मोहन यादव ने सरकारी मशीनरी को भी रफ्तार देने की कवायद तेज कर दी है। पहले वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को संभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई तो अब पुलिस अफसर को भी संभाग का प्रभारी बनाया गया है।

राज्य में भाजपा की सत्ता में हुई वापसी के बाद मुख्यमंत्री को बदला गया है। शिवराज सिंह चौहान के स्थान पर कमान मोहन यादव के हाथ में आई। दो उप मुख्यमंत्री जरुर बनाए गए हैं और मंत्रिमंडल का विस्तार होना शेष है।मंत्रिमंडल का विस्तार हो, उससे पहले मुख्यमंत्री ने संभागवार कसावट लाने की रणनीति पर अमल शुरू कर दिया है। राज्य में जहां अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों को संभागीय प्रभारी बनाया गया है तो अब वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों को संभागीय प्रभारी बना दिया गया है।

गृह विभाग ने विजय कटियार को भोपाल, आलोक रंजन को नर्मदा पुरम, प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव को ग्वालियर, योगेश मुद्गल को शहडोल, पवन श्रीवास्तव को चंबल, अनिल कुमार को रीवा, संजीव शमी को सागर, चंचल शेखर को जबलपुर, जयदीप प्रसाद को इंदौर और योगेश देशमुख को उज्जैन का प्रभारी बनाया गया है।

मुंबई पुलिस के भव्य कार्यक्रम उमंग में फिल्मी सितारों का जमावड़ा

मुंबईः मुंबई पुलिस के वार्षिक कार्यक्रम उमंग में फिल्मी सितारों का जमावड़ा रहा। इस कार्यक्रम में शाहरुख खान, सलमान खान, आलिया भट्ट, करण जौहर, बॉबी देओल, रणबीर कपूर जैसे कई अन्य बॉलीवुड हस्तियों की उपस्थिति देखी गई।

उमंग मुंबई पुलिस कल्याण कोष की एक पहल है, जो हर साल आयोजित की जाती है।

समारोह में शाहरुख खान पूरे स्वैग के साथ प्रवेश करते हुए नजर आए, उन्होंने काले रंग का फॉर्मल सूट पहना हुआ था और उसके साथ सफेद शर्ट पहनी हुई थी। उन्होंने अपने बालों को छोटी पोनीटेल में बांधा था और ब्लैक सनग्लासेस के साथ लुक को पूरा किया।

बॉलीवुड के भाईजान सलमान ने काला सूट और नेवी ब्लू शर्ट पहनकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में टाइगर स्टार को गायिका उषा उथुप को गले लगाते हुए दिखाया गया है।सफेद और लाल रंग के फ्लोरल पैंट सूट सेट में आलिया बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने मिनिमल मेकअप लुक चुना, अपने बालों को

खुला छोड़ा और मैचिंग हील्स के साथ लुक को पूरा किया।फिल्म निर्माता करण जौहर ने काले रंग का सूट पहना था, जबकि अनुभवी अभिनेता जितेंद्र नेवी ब्लू फॉर्मल सूट में नजर आए।जैकी श्रॉफ हाथों में एक छोटा सा पौधा लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जबकि अभिनेत्री नेहा धूपिया को बैंगनी रंग की साड़ी पहने हुए जैकी के साथ पोज देते देखा गया।कियारा आडवाणी सुनहरे बॉर्डर वाली काली साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इसे उन्होंने मैचिंग हॉल्टर नेक ब्लाउज के साथ पेयर किया। वहीं, उनके पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने धारीदार टी शर्ट के साथ काले रंग का कैजुअल कोट और पैंट पहनी थी। उन्होंने अपने लुक को व्हाइट स्नीकर्स से पूरा किया।हाल ही में एक्शन थ्रिलर एनिमल में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली रणबीर कपूर और बॉबी देओल की जोड़ी के बारे में शहर में चर्चा हो रही है, उन्हें इस कार्यक्रम में गर्मजोशी से गले मिलते और हंसते हुए देखा गया।कार्तिक आर्यन अपने चंदू चैंपियन लुक में पहुंचे, जबकि विजय वर्मा नीले धारीदार कोट और पैंट में बेहद आकर्षक लग रहे थे।भव्य कार्यक्रम में शामिल होने वाली अन्य हस्तियां में जैकी भगनानी, रकुल प्रीत सिंह, कृति सेनन, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, तमन्ना भाटिया, जेनेलिया और रितेश देशमुख, कैलाश खेर, फराह खान, तब्बू, बाबिल खान, माधुरी दीक्षित, शिल्पा शेट्टी, जीनत अमान, कैलाश खेर, बादशाह समेत कई सितारों को देखा गया।

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल, यूपी प्रभारी पद से प्रियंका गांधी की विदाई

नई दिल्लीः आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने संगठन में शनिवार को बड़ा बदलाव किया. उत्तर प्रदेश के प्रभारी पद की कमान संभाल रही प्रियंका गांधी की जगह अब इस पद पर अविनाश पांडे की नियुक्ति की गई है. जबकि सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. जानकारी के मुताबिक पार्टी ने सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया है. 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस इंडिया गठबंधन में मजबूत स्थिरि पाने की कोशिश कर रही है.

इंडिया गठनबंधन की बैठक के तुरंत बाद कांग्रेस ने वर्किंग कमेटी की मीटिंग बुलाई गई थी. 21 दिसंबर को हुई इस मीटिंग में पांच राज्यों में पिछले महीने हुए विधानसभा चुनावों की समीक्षा के साथ आम चुनाव की रणनीति को लेकर भी बात की गई थी.

इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी सांसद राहुल गांधी तमेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे.सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में अब आगामी लोकसभा चुनाव

को लेकर रणनीति के बारे में चर्चा की गई. बैठक के दौरान संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हाल के विधानसभा चुनाव के नतीजों को बेहद निराशाजनक बताया था. उन्होंने कहा था कि, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनाव के परिणाम हमारी पार्टी के लिए बहुत निराशाजनक रहे हैं.

पार्टी के खराब प्रदर्शन के कारणों को समझने और आवश्यक सबक लेने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष ने पहले ही समीक्षा की थी. आगे लोकसभा चुनाव होने है. जिसकी तैयारी कि लिए रणनीति बनानी जरूरी है. कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग के बाद पार्टी ने संगठन में अहम बदलाव की ओर इशारा किया था. इसके लिए कांग्रेस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संगठन में बदलाव और फेरबदल किया गया है. इस में नेताओं को दी गई जिम्मेदारी के बारे में बताया गया है.

बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार की आलोचना की।

खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश में बेरोजगारी सबसे ज्वलंत मुद्दा है। 15–29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत है (पीएलएफएसः जुलाई 2022–जून 2023)। ग्रामीण भारत में 8.3 प्रतिशत और शहरी भारत में 13.8 प्रतिशत है।

खड़गे ने कहा, देश के युवा पूछ रहे हैं कि हर साल दो करोड़ नौकरियां कहां गईं, भर्ती परीक्षा से नौकरी पाने तक का सफर इतना जटिल क्यों हो गया और एमएसएमई सेक्टर को क्यों बर्बाद कर दिया गया। करोड़ों युवाओं की

नौकरियां, उनका भविष्य छीन लिया गया, क्यों ?कांग्रेस बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर सरकार की आलोचना करती रही है।कांग्रेस बेरोजगारी के अलावा महंगाई के मुद्दे पर भी सरकार पर निशाना साधती रही है।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम को बड़ा झटका, मुंबई और रत्नागिरी की संपत्तियां होंगी नीलाम

नई दिल्लीः पिछले दिनों पाकिस्तान में रह रहे अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम को जहर देने की खबरें सामने आई थीं. हालांकि बाद में इन खबरों को अफवाह बताया गया. अब दाउद का नाम एक बार फिर से सुर्खियों में है. दरअसल, दाउद को बड़ा झटका दिया. उसकी मुंबई और रत्नागिरि स्थित संपत्तियों को नीलाम करने का फैसला लिया गया है. बताया जा रहा है कि दाउद इब्राहिम की इन संपत्तियों को अगले महीने नीलाम किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक, यह नीलामी 5 जनवरी 2024 को की जाएगी. गौरतलब है कि भारत में मोस्टवांटेड दाउद इब्राहिम की संपत्ती विदेशी मुद्रा अधिनियम के तहत जब्त की गई थीं. जिन्हें अब नीलाम किया जा रहा है.

मिली जानकारी के मुताबिक, दाउद इब्राहिम की महाराष्ट्र के रत्नागिरी में बंगला और आम का बगीचा है. जिसको जनवरी में नीलाम किया जाएगा. बताया जा रहा है कि दाउद की रत्नागिरी में स्थित कुल 4 प्रॉपर्टी को नीलाम किया जाएगा. दाउद की इन संपत्तियों को तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेर (रआएटअ) द्वारा नीलाम किया जाएगा. बता दें कि ड्रग्स के मामले में राजस्व विभाग ने दाउद की प्रॉपर्टी को जब्त किया था. इससे पहले भी रआएटअ ने अंडरवर्ल्ड डॉन की मुंबई स्थित प्रॉपर्टी को नीलाम किया गया था.

पहले भी हो चुकी है नीलामीः बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब दाउद इब्राहिम की संपत्ति को नीलाम किया जा रहा है. इससे पहले भी उसकी 11 संपत्तियों को नीलाम किया गया था. ये नीलामी साल 2000 में इनकम टैक्स विभाग की ओर से की गई थी, हालांकि इस नीलामी में कोई भी बोली लगाने के लिए नहीं आया था. हालांकि, पिछले कुछ सालों में जांच एजेंसियां दाउद की कई प्रॉपर्टी बेचने और खरीदारों को कब्जा दिलाने में कामयाब रही हैं. पांच साल पहले यानी 2018 में नागपाडा में दाउद के एक होटल, एक गेस्ट हाउस और एक बिल्डिंग को भी नीलाम किया गया था.

उसी दौर में जांच एजेंसी ने दाउद की बहन हसीना पारकर का दक्षिण मुंबई स्थित फ्लैट की भी नीलामी की थी. वहीं दिसंबर, 2020 में रत्नागिरी में स्थिर दाउद के परिवार की 1.10 करोड़ की संपत्ति की नीलामी की गई थी. जिसमें दो प्लॉट और एक बंद पड़ा पेट्रोल पंप शामिल था. ये संपत्तियां खेड़ तालुका के लोटे गांव में थी जो दाउद की बहन बहन हसीना पारकर के नाम पर थी.

बीपी निदान में बड़ी सफलता स्वास्थ्य देखभाल में अरबों डॉलर बचा सकती है

सिडनीः शोधकर्ताओं की एक टीम ने यह अनुमान लगाने का एक तरीका खोजा है कि शरीर में सोडियम को कम करने के लिए ब्लड प्रेशर के उपचार पर कौन प्रतिक्रिया देगा।

ऑस्ट्रेलिया में द हंटर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट और न्यूकैसल विश्वविद्यालय की टीम ने यह पता लगाया कि इलाज की जानकारी के लिए प्रत्येक व्यक्ति के जेनेटिक्स का उपयोग कैसे किया जाए। उनके निष्कर्ष प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कार्डियोलॉजी जर्नल सर्कुलेशन में प्रकाशित हुए।

जर्नल सर्कुलेशन में प्रकाशित एक पेपर में प्रोफेसर मरे केर्न्स ने कहा, हाई ब्लड प्रेशर या हाईपरटेंशन से संबंधित बीमारी लगभग 20 प्रतिशत लोगों को मार देती है। कम से कम 30 प्रतिशत वयस्क आबादी को यह बीमारी है – यानी तीन ऑस्ट्रेलियाई वयस्कों में से एक – और उनमें से केवल 30 प्रतिशत लोग ही इसे नियंत्रण में रख पाते हैं।केर्न्स ने बताया, ₹लोगों का नशीली दवाओं के प्रति प्रतिक्रिया करने का तरीका अलग–अलग

है। हम फिजियोलोजिकल सिस्टम के संबंध में किसी व्यक्ति के हाई ब्लड प्रेशर के जेनेटिक्स जोखिम को माप सकते हैं – जिसमें गुर्दे, हृदय या मांसपेशियां शामिल हैं – और फिर दवाओं को सटीक रूप से टारगेट कर सकते हैं।हाईपरटेंशन की कुछ दवाएं शरीर में सोडियम – और बाद में रक्त की मात्रा – को कम करने का काम करती हैं।केर्न्स का कहना है कि कई लोगों में हाई ब्लड प्रेशर की आनुवंशिक प्रवृत्ति होती है जो उच्च नमक वाले आहार से शुरू होती है या बढ़ जाती है, वे सोडियम को कम करने वाले उपचार के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया देंगे।

जलवायु संकट का असर कम करने में पर्यावरण अनुकूल कृषि एक प्रमुख कारक

नई दिल्लीः परिवहन और बिजली उत्पादन से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित होने के बीच जलवायु परिवर्तन के एक कारक के रूप में कृषि को अब जाकर उचित महत्त्व दिया जा रहा है, जब एक तरफ करोड़ों लोग भूख से मर रहे हैं और दूसरी तरफ वैश्विक आबादी बढ़ रही है।

इस महीने दुबई में शिखर सम्मेलन में अपनाए गए यूएई सहमति दस्तावेज़ में प्रतिकूल जलवायु को झेलने में सक्षम भोजन और कृषि उत्पादन और भोजन की आपूर्ति और वितरण के साथ–साथ टिकाऊ और पुनर्योजी उत्पादन बढ़ाने और सभी के लिए पर्याप्त भोजन और पोषण तक समान पहुंच का आह्वान किया गया।

सीओपी28 के नाम से जानी जाने वाली बैठक में 159 नेताओं ने ग्लोबल वार्मिंग को एक डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने में मदद करने के लिए सतत कृषि, लचीली खाद्य प्रणालियों और जलवायु कार्रवाई पर एक विस्तृत घोषणा को अपनाया।विश्व नेताओं ने उच्च ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन प्रथाओं से अधिक पर्यावरण–अनुकूल उत्पादन और उपभोग दृष्टिकोण में बदलाव के

लिए काम करने का वादा किया, जिसमें भोजन के नुकसान और बर्बादी को कम करना और पर्यावरण अनुकूल जलीय तथा समुद्री खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना शामिल है।ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में कृषि के महत्व को इलिनोइस विश्वविद्यालय अर्बाना–शैंपेन के प्रोफेसर अतुल जैन के नेतृत्व वाली एक टीम के अध्ययन में देखा जा सकता है, जिसमें पाया गया कि सभी मानव निर्मित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 35 प्रतिशत का योगदान खाद्य–आधारित कृषि का है। उसमें से आधे से अधिक जानवरों के कारण होता है जबकि कपास और रबर जैसे गैर–खाद्य कृषि उत्पादन से और 14 प्रतिशत उत्सर्जन होता है।कृषि मानव जीवन के लिए आवश्यक है, और इसे जीवाश्म ईंधन की तरह बंद नहीं किया जा सकता है, कुशल प्रथाओं और उत्पादों को अपनाकर ग्रीनहाउस हाउस गैस उत्सर्जन को कम किया जा सकता है।

> गैस उत्सर्जन में 35 प्रतिशत का योगदान खाद्य–आधारित कृषि का है। उसमें से आधे से अधिक जानवरो के कारण होता है जबकि कपास और रबर जैसे गैर–खाद्य कृषि उत्पादन से और 14 प्रतिशत उत्सर्जन होता है।कृषि मानव जीवन के लिए आवश्यक है, और इसे जीवाश्म ईंधन की तरह बंद नही किया जा सकता है, कुशल प्रथाओं और उत्पादो को अपनाकर ग्रीनहाउस हाउस गैस उत्सर्जन को कम किया जा सकता है।और भारत में इसका भविष्य बहुत महत्वपूर्ण है, जहां विश्व बैंक के अनुसार, 44 प्रतिशत श्रम शक्ति कृषि क्षेत्र में काम करती है।

और भारत में इसका भविष्य बहुत महत्वपूर्ण है, जहां विश्व बैंक के अनुसार, 44 प्रतिशत श्रम शक्ति कृषि क्षेत्र में काम करती है।विरोधाभासी रूप से, ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि ऐसे समय में खाद्य उत्पादन को भी खतरे में डालती है जब भूख बढ़ रही है।

जम्मू–कश्मीर और हिमाचल में भारी बर्फबारी, मैदानी इलाकों में बढ़ी गलन

नई दिल्लीः जम्मू–कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में गलन पड़ने लगी है. दिल्ली–एनसीआर समेत समूते उत्तर भारत में इसका असर देखने को मिल रहा है. रविवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में कोहरा देखने को मिला. इस दौरान लोग ठंड से कांपते दिखे. इसी बीच मौसम विभाग ने हिमाचल के कुछ स्थानों पर बारिश और राजस्थान में हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है. इससे पहले शनिवार को दिनभर धूप खिली रही और तापमान में मामूली इजाफा दर्ज किया गया. मौसम विभाग ने ओडिशा में आज (रविवार) को दिनभर कोहरा छाए रहने की बात कही है.

उधर, जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ में सिंथन टॉप पर जबरदस्त बर्फबारी हुई. जिसके बाद सिंथन टॉप से आने वाले किश्तवाड़–अनंतनाग मार्ग को बंद करना पड़ा. इसके अलावा घाटी में सुबह के समय बादल छाए रहे. हालांकि दिन चढ़ने के साथ मौसम भी साफ हो गया. राजधानी श्रीनगर समेत इलाके के ज्यादातर स्थानों पर न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई. जहां एक दिन पहले पहले तापमान माइनस 3.3 डिग्री सेल्सियस था तो वहीं शुक्रवार की रात न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस हो गया.

वहीं अनंतनाग में भी न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जबकि यहां एक दिन पहले तापमान माइनस 4.8 डिग्री सेल्सियस हो गया था. वहीं हिमाचल प्रदेश के उंचे पहाड़ों पर लगातार बर्फबारी हो रही है. रोहतांग में अटल टनल के दोनों छोरों पर बर्फबारी हुई है. जिसके चलते अटल टनल को बंद कर दिया गया है. वहीं कुल्लू, लाहौल–स्पीति और चंबा के ऊपरी इलाकों में भी बर्फबारी हुई है.

जबकि रोहतांग दर्रा के पास और सिस्सू, बारालाचा, कुंजम दर्रा, कोकसर समेत उंची चोटियों पर बर्फबारी के बाद बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है. भरमौर–पांगी की चोटियों पर 12.7 सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई है. वहीं निचले इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई है. कुल्लू, मनाली और लाहौल घाटी में कड़ाके की ठंड पड़ रही है.उधर, राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अलग–अलग स्थानों पर हल्की बारिश हुई है. हालांकि इससे तापमान में कोई गिरावट नहीं आई और यहां रात में पारा दो से चार डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया. मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान के भीलवाड़ा, वनस्थली, जोधपुर और फलौदी में भी हल्की बारिश हुई है. यहां अगले एक हफ्ते मौसम साफ रह सकता है.

राज्य में सीकर के फतेहपुर में सबसे कम 5.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया. जबकि हनुमानगढ़ के संगारिया में पारा आठ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. वहीं हरियाणा में भी रविवार को हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं. ठंड का असर बढ़ने से राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों में 1 से 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया गया है.

वहीं ओडिशा में इस बार ठंड का असर देखने को मिल रहा है. पुरी, गंजम, कालाहांडी और कोरापेट समेत राज्य के 14 जिलों में रविवार को भारी कोहरे की चेतावनी दी गई है.

जिसके चलते राज्य के विशेष राहत आयुक्त सत्यब्रत साहू ने सभी जिलाधिकारियों को सतर्क रहने को कहा है. इसके साथ ही राज्य में इस बार ठंड का प्रकोप भी बढ़ता दिख रहा है. राज्य में जी उदयगिरी सबसे ठंडा रहा स्थान रहा और यहां का न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया–पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें –94568843327

देश के अलग–अलग हिस्सों में कोरोना के नए वेरिएंट JN.1 की दस्तक

नई दिल्ली : कोरोना वायरस अपने एक और नए वेरिएंट खठ.1 के साथ फिर से दस्तक दे रहा है। देश के अलग–अलग शहरों में इससे संक्रमित मरीज मिले हैं जिसे लेकर चिंता बढ़ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जेएन.1 को 'वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' करार दिया है। साथ ही कहा कि इससे वैश्विक जनस्वास्थ्य के लिए ज्यादा खतरा नहीं है। भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, खठ.1 के मामले अमेरिका, चीन, सिंगापुर और भारत में पाए गए हैं। चीन में इस स्वरूप के 7 मामले सामने आए हैं। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने हेल्थ फैसिलिटीज की तैयारियों का जायजा लिया और राज्यों से सतर्कता बढ़ाने की अपील की। चलिए जानते हैं कि भारत के किस शहर में कोविड–19 के कितने नए मरीज मिले हैं...

नोएडा में मिला एक संक्रमित

नोएडा का रहने वाला एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। यह उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पिछले कई महीनों में संक्रमण का पहला मामला है। गौतमबुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि संक्रमित पाया गया मरीज 54 वर्षीय पुरुष है जो नोएडा में रहता है लेकिन गुरुग्राम स्थित मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है। शर्मा ने कहा, 'उसका सैंपल जीनोम सिक्वेन्सिंग के लिए दिल्ली भेजा गया है। नतीजे का इंतजार है।' जिला निगरानी अधिकारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार ने बताया कि मरीज ने इस महीने की शुरुआत में नेपाल की यात्रा की थी। वह वहां से लौटने के बाद गुरुग्राम स्थित अपनी ऑफिश भी गया था।

गुरुग्राम की महिला में कोरोना संक्रमण

गुरुग्राम में विदेश से लौटी एक महिला में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया है। गुरुग्राम में एक अधिकारी ने बताया कि विभाग ने गुरुवार को 62 ऐसे संदिग्ध मरीजों की पहचान की, जो नगरीय अस्पताल की ओपीडी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों को दिखाने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनकी पहचान करने के बाद सभी के सैंपल लिए गए और जांच के लिए उन्हें प्रयोगशाला भेजा गया। सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट शुक्रवार को आएगी। राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटे में कोरोना का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। 22 मरीजों के सैंपल एंटीजन किट से लिए गए। 10 मरीजों की रिपोर्ट सरकारी प्रयोगशाला से आनी बाकी है। संक्रमिक महिला मरीज का घर पर इलाज किया जा रहा है। उसकी हालत बेहतर हो रही है और संक्रमित महिला के संपर्क में आए उसके परिवार के सदस्यों के भी नमूने लिए गए हैं लेकिन उनमें से किसी में भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई में कोरोना के 27 एक्टिव मरीज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में कोविड–19 की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार को बैठक की। शिंदे ने कहा कि राज्य स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और लोगों को खासकर आगामी त्यौहार और नए साल के कारण घबराना नहीं, बल्कि सावधानी बरतनी चाहिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए शिंदे ने कहा कि नए सब वेरिएंट के लक्षण हल्के हैं लेकिन यह बहुत तेजी से फैलता है। उन्होंने बताया कि राज्य में कोविड के फिलहाल 45 मरीज हैं, जिनमें मुंबई में 27, पुणे व ठाणे में 8–8 और कोल्हापुर व रायगढ़ में 1–1 मरीज कोरोना से संक्रमिक है।

राजस्थान में कोविड–19 के 4 नए मरीज

राजस्थान में कोरोना वायरस से संक्रमण के 4 नए मामले सामने आए हैं। सरकारी बयान के अनुसार, जैसलमेर में 2 और जयपुर में 2 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। जयपुर में मिले संक्रमित में से एक झुंझुनूं और दूसरा भरतपुर का मूल निवासी है। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग के परामर्श के अनुसार, विशेषज्ञों की राय में यह अपेक्षाकृत कम संक्रमण वाला प्रतीत होता है। हल्की सर्दी, खांसी, बुखार, जुकाम व गला खराब के

लखनऊ में 1 और पटना से 2 केस आए गौरतलब है कि केरल, कर्नाटक, दिल्ली और गोवा में भी कोविड का नया वेरिएंट जेएन .1 पाया गया है। यूपी की राजधानी लखनऊमें कोरोना से संक्रमित 1 मरीज की पहचान हुई है।

रोगी चिकित्सक की सलाह समय पर लेते हैं जिससे रोग के नियंत्रण पर तत्काल काबू पाया जा सकता है। रोगियों में सामान्य सर्दी, खांसी, बुखार, जुकाम और गला खराब के लक्षण की स्थिति में डॉक्टर से मिलें। ऐसे लक्षणों के गंभीर या लंबी अवधि होने की स्थिति में और ज्यादा संक्रमण पर अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी जाती है।

लखनऊमें 1 और पटना से 2 केस आए गौरतलब है कि केरल, कर्नाटक, दिल्ली और गोवा में भी कोविड का नया वेरिएंट जेएन.1 पाया गया है। इसके अलावा, यूपी की राजधानी लखनऊमें कोरोना से संक्रमित 1 मरीज की पहचान हुई है। यह 75 साल की बुजुर्ग महिला है जो चंदरनगर की रहने वाली है। वह हफ्ते भर पहले थाईलैंड से लौटी है। उसमें सर्दी–जुकाम और बुखार के हल्के लक्षण देखे गए थे। इसके अलावा बिहार की राजधानी पटना में कोविड–19 के 2 केस मिले हैं। इनमें से एक मरीज केरल से लौटा है और दूसरा असम की यात्रा करके आया है। दोनों मरीजों की उम्र 25 और 29 साल है।

(एजेंसी इनपुट के साथ)बेटी का पता लगाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं. पुलिस का इस मामले में कहना है कि, जल्द से जल्द आगे की कार्रवाई की जा रही है.

चुनावी खबरें

फ्रांस के राष्ट्रपति होंगे गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाली परेड में मुख्य अतिथि होंगे। इसी के साथ वह छठे फ्रांसीसी नेता बन जाएंगे जिन्हें भारत ने यह सम्मान प्रदान किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मैक्रों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण पर भारत की यात्रा पर आएंगे। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट करते हुए निमंत्रण के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि भारत, आपके गणतंत्र दिवस पर, मैं आपके साथ जश्न मनाने के लिए वहां रहूंगा। भारत ने इस अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने जनवरी, 2024 में यहां आने में असमर्थता जतायी।

माना जा रहा है कि बाइडन के भारत आने में असमर्थता की वजह जनवरी के अंत या फरवरी की शुरुआत में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन, उनकी दोबारा राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी और हमास–इजराइल संघर्ष पर अमेरिका का और ध्यान केंद्रित करना है विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्योते पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर भारत आएंगे।" मंत्रालय ने कहा, "रणनीतिक साझेदार के रूप में, भारत और फ्रांस कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उच्च स्तर पर समान रुख साझा करते हैं। इस वर्ष, हम भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 जुलाई को पेरिस में आयोजित 'बैस्टिल डे परेड' में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया था। यह कार्यक्रम फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस समारोह का हिस्सा है। वहीं, मैक्रों सितंबर में नयी दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आए थे। गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मैक्रों को भारत का आमंत्रण रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, व्यापार और निवेश और नयी प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के प्रगाढ़ होते संबंध के बीच आया है।

खरगे के नाम से रूठे नीतीश कुमार को मनाने के लिए राहुल गांधी आए आगे

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने गुरुवार को इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान लिए गए फैसलों पर चर्चा के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फोन किया। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने यह भी कहा है कि यह कांग्रेस की तरफ से उन्हें मनाने का एक प्रयास है। सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल के द्वारा इंडिया की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाने से नीतीश कुमार नाराज हैं।सूत्रों ने बताया कि नीतीश कुमार और राहुल गांधी ने ने विपक्ष की बैठक में लिए गए फैसलों को लागू करने पर बात की। सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने उन्हें इस बात का आश्वासन दिया है कि इंडिया गठबंधन में उनकी अहम भूमिका होगी। सीट बंटवारे और अन्य मुद्दों पर फैसला जल्द लिया जाएगा।इस बीच, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि नीतीश कुमार किसी से नाराज नहीं हैं और विपक्ष एकजुट है। लालू यादव ने कहा, ₹बैठक के दौरान मीडिया के एक वर्ग ने एक और कहानी गढ़ दी कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार एक–दूसरे से नाराज हैं। यह सच नहीं है। हम एकजुट हैं और हम बिहार में एक साथ लड़ेंगे।जहां तक प्रेस कॉन्फ्रेंस की बात है तो हर कोई इसमें नहीं जाएगा। जो लोग मीडिया के सामने बोलना चाहते हैं, लालू यादवे ने कहा, इंडिया गठबंधन की बैठक सही मानसिकता के साथ संपन्न हुई। वहां सभी ने एकता दिखाई। सीट–बंटवारे के फॉर्मूले को तीन सप्ताह में अंतिम रूप दिया जाएगा और हम बीजेपी को हराने के लिए मिलकर लड़ेंगे।सूत्रों ने यह भी बताया है कि राहुल गांधी और नीतीश कुमार ने बिहार में जल्द कैबिनेट विस्तार करने पर भी बात की।

सरकार जल्द 12.35 लाख फी में स्मार्टफोन देने का प्लान बनाया है। सरकार बीते साल से फी में बांट रही है। युवाओं के लिये स्मार्टफोन के माध्यम से पढ़ाई को आसान बनाया जा सकता है।

राम मंदिर दर्शन में नहीं होगी दिक्कत, 50 शहरों से 1500 अयोध्या स्पेशल ट्रेन चलेंगी

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के कार्यक्रम को लेकर रेलवे बोर्ड ने कमर कस ली है। राम भक्तों को उनके आराध्य भगवान राम के दर्शन के लिए रेलवे बोर्ड देशभर से 1500 अयोध्या स्पेशल ट्रेन चलाएगा। इसके तहत देश के प्रमुख 50 बड़े शहरों से यह स्पेशल ट्रेन चलेंगी। इसके अलावा 22 जनवरी को कार्यक्रम समाप्त होने पर अयोध्या रेलवे स्टेशन तीर्थ यात्रियों के लिए देश के विभिन्न शहरों के लिए ऑन डिमांड स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी।

रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पृथक जोनल रेलवे को स्थनीय धार्मिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ), राजनीतिक दलों, राज्य सरकार आदि की ओर से अयोध्या राम मंदिर के लिए स्पेशल कोच और स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग मिल रही है। रेलवे बोर्ड जोनल रेलवे की मांग के अनुसार इंजन, कोच उपलब्ध करा रहा है। वर्तमान में नागपुर, मंबई, अहमदाबाद, सूरत, जयपुर, चंडीगढ़, दिल्ली, देहरादून, लखनऊ वाराणसी, गोरखपुर, पटना, भुवनेश्वर, चैन्नई, हैदारबाद, कन्याकुमारी आदि शहरों से स्पेशल कोच–ट्रेन चलाने की मांग हुई है।

भीड़ को संभालने के लिए योजना तैयार कार्यक्रम में स्टेशन पर उमड़ने वाली भीड़ को संभालने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। स्टेशन पर लिफ्ट, एक्सीलेटर, वेटिंग हॉल, फूड स्टाल, रेस्त्रां, क्लॉक रूम, फर्स्ट एड रूम आदि का इंतजाम होगा। स्टेशन और स्पेशल ट्रेन में कैटरिंग व्यवस्था के लिए आईआरसीटीसी को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसमें राज्य सरकार की एजेंसियों, एनजीओ का सहायोग लिया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश अयोध्या स्पेशल ट्रेन में स्लीपर–जनरल और एसी–3 श्रेणी के कोच होंगे। कुछ ट्रेन में एसी–1 और 2 श्रेणी के कोच अयोध्या राम मंदिर के दर्शन करने वाले वीआईपी के लिए लगा जाएंगे।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश अयोध्या स्पेशल ट्रेन में स्लीपर–जनरल और एसी–3 श्रेणी के कोच होंगे। कुछ ट्रेन में एसी–1 और 2 श्रेणी के कोच अयोध्या राम मंदिर के दर्शन करने वाले वीआईपी के लिए लगा जाएंगे। यह कोच ऑन डिमांड लगेंगे।

पाकिस्तान के आतंकी और चीन की साजिश

श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में गुरुवार को हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सेना के वाहनों पर घात लगाकर हमला कर दिया जिसमें 5 सैनिक शहीद हो गए और 2 अन्य घायल हैं। इसके बाद सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को इलाके के जंगलों में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारी ने कहा कि इलाके की हवाई निगरानी भी की जा रही है और आतंकवादियों का पता लगाने के लिए श्वान दस्ते को भी लगाया गया है। इस बीच, रक्षा सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान राजौरी–पुंछ सेक्टर में आतंकवाद को फिर से जीवित करने की कोशिश कर रहा है। यहां के जंगली इलाकों में करीब 25–30 पाकिस्तानी आतंकवादियों के छिपे होने का संदेह है।

सूत्रों ने कहा कि राजौरी हमला लद्दाख सेक्टर से भारतीय सैनिकों को हटाने को लेकर पाकिस्तान और चीन के प्लान का हिस्सा है। पूरी प्लानिंग यह है कि इस क्षेत्र से सुरक्षा बलों को हटाकर घाटी में फिर से अधिकतर तैनाती के लिए दबाव बनाया जाए। पाकिस्तान–चीन गठजोड़ भारत की ओर से सेना को जम्मू–कश्मीर से बाहर निकालने और चीनी सीमा पर तैनात करने से रोकने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि खासकर लद्दाख सेक्टर में टुकड़ियों की तैनाती न हो, जहां पीएलए और भारतीय सेनाएं आमने–सामने हैं। यहां बीते तीन साल से गतिरोध बना हुआ है।भारत ने 2020 में राष्ट्रीय राइफल्स की यूनिफॉर्म फोर्स को पुंछ सेक्टर से हटाकर लद्दाख में तैनात कर दिया था।

पद्म पुरस्कारों पर नहीं चलती किसी की मनमानी, लौटाने का भी अधिकार

'पुरस्कार विजेता का नाम राष्ट्रपति के निर्देशों के तहत बनाए गए पद्म पुरस्कार पाने वालों के रजिस्टर में तब तक बना रहता है, जब तक उसका पुरस्कार रद्द नहीं हो जाता है।' पद्म पुरस्कार को रद्द करने का कोई इतिहास नहीं है।तत्कालीन गृह राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 2018 में राज्यसभा को बताया था.

नई दिल्लीः ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया विरोध स्वरूप अपना पद्म पुरस्कार वापस करने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई लोगों ने अपना पद्म सम्मान लौटा दिया है। हालांकि, औरों की तरह बजरंग पुनिया भी पुरस्कार विजेताओं की लिस्ट में बने रहेंगे, क्योंकि इस सम्मानित पुरस्कार को लौटाना के कोई प्रावधान ही नहीं है। टीओआई ने अपनी एक रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से कहा, ₹पुरस्कार विजेता किसी भी कारण से पुरस्कार वापस करने के अपने फैसले की घोषणा कर सकता है, लेकिन पद्म पुरस्कार में ऐसा नियम नहीं है। बिना कारण बताए केवल राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कारों को रद्द करने की अनुमति मिल सकती है।"

अधिकारी ने आगे कहा, 'पुरस्कार विजेता का नाम राष्ट्रपति के निर्देशों के तहत बनाए गए पद्म पुरस्कार पाने वालों के रजिस्टर में तब तक बना रहता है, जब तक उसका पुरस्कार रद्द नहीं हो जाता है।' पद्म पुरस्कार को रद्द करने का कोई इतिहास नहीं है। तत्कालीन गृह राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 2018 में राज्यसभा को बताया था, ₹देश की जांच एजेंसियों द्वारा व्यक्तियों के चरित्र के सत्यापन के बाद ही पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

सामान्य प्रथा के अनुसार पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किए जाने के लिए प्रस्तावित व्यक्ति की इच्छा पुरस्कारों की घोषणा से पहले अनौपचारिक रूप से सुनिश्चित की जाती है। कई लोगों ने पहले ही पुरस्कार लेने से इनकार कर दिया है। किसी व्यक्ति को पद्म विभूषण, पद्म भूषण या पद्मश्री से अलंकृत किए जाने के बाद उसका नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है और ऐसे लोगों का एक रजिस्टर रखा जाता है। अधिकारी ने कहा, ₹भले ही पुरस्कार विजेता बाद में पद्म पुरस्कार वापस करने के लिए स्वेच्छा से आता हों, लेकिन उनका नाम राजपत्र या पुरस्कार विजेताओं के रजिस्टर से नहीं हटाया जाता है।₹

पद्म पुरस्कारों की लौटाने की घोषणा करने वालों में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएस ढींडसा भी शामिल थे। उन्होंने 2020 में राष्ट्रपति को पत्र लिखकर कहा कि वे तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए अपने पुरस्कार वापस कर रहे हैं। हालांकि, बादल और ढींडसा का नाम अभी भी पद्म पुरस्कार विजेताओं की सूची में शामिल है।

पद्म श्री पुरस्कार के साथ कितने रुपये का मिलता है इनाम

भारत में जो कुल चार नागरिक सम्मान दिए जाते है. जिनमें सबसे ज्यादा दिए जाना वाला पुरस्कार है पद्म श्री. भारत का चौथा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान हैं पद्म श्री. 2023 में, 91 लोगों को पद्म श्री मिला. इनमें 19 महिलाएं और सात लोग मरणोपरांत सम्मानित किए गए. साल 2023 तक कुल 3,421 लोगों को भारत सरकार द्वारा यह पुरस्कार दिया जा चुका है. ये तो रहे पद्म श्री पुरस्कार के आंकड़े लेकिन क्या आपने सोचा है. पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं को कितने रूपए बतौर इनाम मिलते हैं. आइए जानते हैं.

पद्म श्री पुरस्कार में नहीं दिए जाते पैसे

पद्म श्री पुरस्कार जब किसी को दिया जाता है तो भारत के राष्ट्रपति उन्हें एक प्रमाणपत्र और एक पदक से सम्मानित करते हैं.

वहीं अगर इनमाी राशि की बात करें तो पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं को किसी भी प्रकार की कोई धन राशि नहीं दी जाती है. यह मात्र एक सम्मान है जो भारत सरकार द्वारा अलग–अलग क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने के लिए दिया जाता है. पद्म श्री ही नहीं बल्कि किसी भी पद्म पुरस्कार में कोई धन राशि नहीं दी जाती.

कैसे मिलता है पद्म श्री पुरस्कार?

पद्म श्री या पद्म विभूषण या फिर पद्म भूषण किसी भी पद्म पुरस्कार के लिए आप खुद अप्लाई कर सकते हैं. अगर आपको लगता है कि आपने कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में अच्छा कार्य किया है तो आप खुद के लिए भी पद्म श्री के लिए अप्लाई कर सकते हैं. आपके द्वारा पद्म पुरस्कारों के लिए अप्लाई करने के बाद सरकार द्वारा गठित की गई कमेटी इन्हें देखती है.

संपादकीय

कोरोना पर निगाह

भारत समेत अनेक देशों में कोरोना वायरस के नये प्रकार– जेएन.1 ने लोगों को संक्रमित करना शुरू कर दिया है. भारत में 11 दिसंबर को संक्रमण के 938 मामले थे. यह संख्या नौ दिनों में दुगुनी होकर 19 दिसंबर को 1,970 हो गयी. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस पर निगाह रखने की सलाह दी है, पर यह भी कहा है कि इससे कोई बहुत खतरा नहीं है. भारत में भी निगरानी रखी जा रही है और नये वायरस एवं उसके विभिन्न प्रकारों की जांच का काम चल रहा है. केंद्र सरकार के प्रयोगशालाओं के फोरम इन्साकॉग ने इसके एक प्रकार– बीए.2.86 के 19 सिक्वेंस का पता लगाया है. ऐसी जांच से संक्रमण की रोकथाम में बहुत मदद मिलती है तथा यह भी पता चलता है कि वायरस अपना रूप बदल रहा है या नहीं. यह बहुत महत्वपूर्ण है कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जो टीके लगाये गये हैं, वे इस वायरस से भी रक्षा कर रहे हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि केरल में जो एक मौत हुई है, उसकी वजह संक्रमण के साथ पहले की गंभीर बीमारी भी है. भारत के अलावा अमेरिका और चीन में भी संक्रमण बढ़ा है, पर वहां भी इसका असर बहुत सीमित है. चूंकि यह वायरस घातक नहीं है और इससे बचाव के लिए पूर्ववर्ती टीकाकरण पर्याप्त है, तो हमें किसी भी तरह से घबराने की आवश्यकता नहीं है. समुचित सावधानी और सतर्कता बरती जानी चाहिए तथा जरूरत पड़ने पर जांच करा लेना चाहिए.

भारत में कोरोना महामारी के भयावह दौर में जो अनुभव हुए हैं, वे किसी भी महामारी से निपटने का ठोस आधार प्रदान करते हैं. लोगों में जागरूकता बढ़ी है, अस्पतालों में समुचित संसाधन हैं तथा चिकित्सकों को उपचार के बारे अच्छी जानकारी हो चुकी है. महामारी की पहली और दूसरी लहर में ऐसी स्थिति नहीं थी.

भारत में कोरोना महामारी के भयावह दौर में जो अनुभव हुए हैं, वे किसी भी महामारी से निपटने का ठोस आधार प्रदान करते हैं. लोगों में जागरूकता बढ़ी है, अस्पतालों में समुचित संसाधन हैं तथा चिकित्सकों को उपचार के बारे अच्छी जानकारी हो चुकी है. महामारी की पहली और दूसरी लहर में ऐसी स्थिति नहीं थी. तब वायरस भी बड़े घातक थे और कम समय में बहुत गति से संक्रमण फैल रहा था. तब टीके भी उपलब्ध नहीं थे. जब देश में ही दो टीके बनने लगे, तब न केवल करोड़ों भारतीयों को सुरक्षा उपलब्ध हुई, बल्कि भारत ने कई देशों को टीका मुहैया भी कराया. विशेषज्ञों ने यह भी रेखांकित किया है कि कोविड संक्रमण का बढ़ना मौसम बदलने/जाड़े के आगमन से जुड़ा हुआ है. अभी सर्वाधिक मामले केरल में हैं. कुछ मामले गोवा और महाराष्ट्र में भी पाये गये हैं. पिछली बार कोरोना वायरस के नये रूप का पता इस वर्ष अप्रैल में लगा था. अब सात महीने के अंतराल के बाद हम संक्रमण में बढ़ोतरी देख रहे हैं. विशेषज्ञ बता रहे हैं कि इसका मतलब यह है कि मौजूदा संक्रमण नये वायरस के कारण बढ़ रहा है. सरकारें, प्रयोगशालाएं और वैज्ञानिक मुस्तैद हैं, लेकिन नागरिकों को भी सचेत रहना चाहिए.

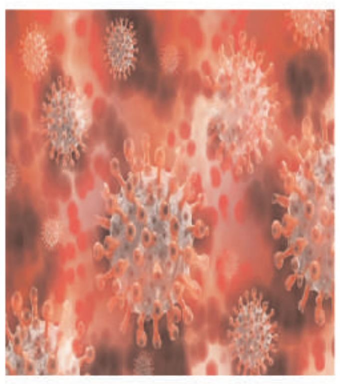

कानूनी दायरे में आये सोशल मीडिया की पत्रकारिता

उमेश चतुर्वेदी

सोशल मीडिया की पत्रकारिता में ऐसी प्रवृत्ति नजर नहीं आयी. इसलिए अब वक्त आ गया है कि सोशल मीडिया की पत्रकारिता का भी नियमन किया जाए. किसी को किसी दल का पक्ष लेना है, प्रचार करना है, तो वह करे, लेकिन वह खबरनवीसी और रिपोर्टिंग का तमगा धारण कर ऐसा न करे. वह पत्रकारिता की बुनियादी सोच पर आगे बढ़े. सोशल मीडिया मंचों को भी कानूनी तौर पर ऐसे अलगोरिदम विकसित करने के लिए सोचना होगा, जो निष्पक्षता को बढ़ावा दे, वितंडावाद और अतिवाद को नहीं.

सोशल मीडिया ने पारंपरिक मीडिया गढ़ों को चुनौती दी और पत्रकारिता को सहज सुलभ बनाया. सत्ता, कॉरपोरेट और दूसरे प्रतिष्ठानों के जरिये सामने न आ पाने वाली खबरों के लिए यह उत्साहजनक उम्मीद के रूप में उभरा. सोशल मीडिया से पहले छोटे पत्र–पत्रिकाओं ने वैकल्पिक मीडिया की भूमिका निभायी, पर सीमित संसाधन की वजह से उसकी पहुंच बेहद कम रही. इस संदर्भ में सोशल मीडिया ने उस वैकल्पिक मीडिया को असीमित पहुंच और प्रसार दिया. तकनीक और डाटा के जरिये आयी इस ताकत को लोकतांत्रिक वरदान के रूप में देखा गया. लेकिन क्या सोशल मीडिया की खबरिया क्रांति सचमुच लोकतांत्रिक राह को सही मायने में अख्तियार कर चुकी है? यह सवाल चुनाव–दर–चुनाव सोशल मीडिया की खबरनवीसी के पक्षकार बनने और मुंह की खाने के बाद ज्यादा प्रासंगिक बना है. हालिया विधानसभा चुनावों की सोशल मीडिया में कभी खबरिया चैनलों के दिग्गज रहे पत्रकारों ने जैसी रिपोर्टिंग की, उसने सोशल मीडिया पर हो रही पत्रकारिता की साख पर प्रश्न तो खड़ा किया ही, यह भी साफ कर दिया है कि ऐसी पत्रकारिता एक दल विशेष का प्रचार भर रही.

मशहूर कथाकार राजेंद्र यादव ने एक इंटरव्यू में कहा है कि साहित्य की लड़ाई हवाई हमले जैसी होती है, जिसके जरिये माहौल बनता है. माहौल में आये इस बदलाव की वजह से पैदल सेना के लिए जमीनी कब्जा आसान हो जाता है. यह संयोग है या कुछ और, कि सोशल मीडिया पर जमे हुए कई पत्रकार और विश्लेषक इस तरह की रिपोर्टिंग कर रहे हैं जैसे वे विपक्ष के लिए पिच तैयार कर रहे हों. लेकिन विपक्ष, यानी एक खास दल उस पिच का सियासी फायदा नहीं उठा पा रहा है. पिछले कुछ चुनावों से यूट्यूब और दूसरे सोशल मीडिया मंचों पर जो रिपोर्टिंग हो रही है, उसे तटस्थ नजरिये से देखें, तो यह माहौल बनाने की कोशिश ही है. तो, क्या सोशल मीडिया के जरिये मीडिया और खबरनवीसी के लोकतंत्रीकरण की उम्मीद पूरी हो पायी है? इसका जवाब है, नहीं. अगर एक चुनाव में ऐसा होता, तो उसे पेशागत कमी मान लिया जाता. लेकिन ऐसा हर बार क्यों हो रहा है. साल 2017 में उत्तर प्रदेश में सोशल मीडिया के ज्यादातर मठाधीश सिर्फ माया–अखिलेश गठबंधन को जिता रहे थे. लेकिन नतीजे ठीक उलट आये. साल 2019 में भी सोशल मीडिया के 'साखदार कर्मवीरों' की नजर में मोदी हार रहे थे. ऐसा ही महाराष्ट्र में हुआ. लगभग हर चुनाव की यही कहानी है. यह भी याद किया जाना चाहिए कि आज सोशल मीडिया में जिन्होंने अपनी पत्रकारिता का बाजार तैयार किया है, उनमें से ज्यादातर कुछ साल पहले तक भारतीय खबरिया चैनलों के हीरो थे. तब भी उनका रवैया कुछ ऐसा ही था, हालांकि अपने संस्थानों की नीतियों के चलते वे खुलकर समर्थन या विरोध नहीं कर पाते थे. सोशल मीडिया की पत्रकारिता ने पारंपरिक पत्रकारिता की वाचमैन वाली भूमिका को ही खत्म कर दिया है.

पारंपरिक पत्रकारिता पर चाहे जितने सवाल हों, लेकिन यह तय है कि कोई संवाददाता या विश्लेषक अपनी मनमानी अखबार के पन्नों या टीवी के पर्दे पर नहीं रख सकता है. वहां डेस्क नामक एक चीज है और वह उसकी मनमानी पर रोक लगाकर जवाबदेही की अपनी भूमिका को निभाती रहती है. इसकी वजह यह है कि पारंपरिक पत्रकारिता कानून और संविधान के दायरे में ही भूमिका निभाती है, जबकि सोशल मीडिया की पत्रकारिता में न तो कानूनी बंधन की जरूरत है, न ही जवाबदेह वाचमैन की. इस पत्रकारिता को इसीलिए अब पक्षकारिता कहा जाने लगा है. मुक्तिबोध की कविता की पंक्ति– पार्टनर आपकी पॉलिटिक्स क्या है– सोशल मीडिया की खबरनवीसी के लिए ज्यादा सटीक नजर आ रही है. सोशल मीडिया मंचों ने आर्थिक सहयोग और कमाई के लिए अपना जो अलगोरिदम विकसित किया है, उसे यह तमाशाई पक्षकारिता ही सूट करती है.

क्या पत्रकारिता का एक मात्र उद्देश्य सिर्फ पत्रकार की मोटी कमाई ही है और श्रोता या दर्शकों के प्रति उसकी कोई जवाबदेही नहीं है? क्या पत्रकारिता की आड़ में किसी दल का प्रचार करना जायज माना जाना चाहिए? अगर ये पत्रकार खुलकर उस दल विशेष का प्रचार करते, तो कोई सवाल नहीं होता. पत्रकारिता की न्यूनतम गारंटी निष्पक्षता है. ऐसा नहीं कि पारंपरिक पत्रकारीय संस्थान हमेशा निष्पक्ष रहे हैं. उन्होंने अगर किसी का पक्ष लिया भी, तो उसे आटे में नमक के समान मिलाने की कोशिश की. लेकिन सोशल मीडिया की पत्रकारिता में ऐसी प्रवृत्ति नजर नहीं आयी. इसलिए अब वक्त आ गया है कि सोशल मीडिया की पत्रकारिता का भी नियमन किया जाए. किसी को किसी दल का पक्ष लेना है, प्रचार करना है, तो वह करे, लेकिन वह खबरनवीसी और रिपोर्टिंग का तमगा धारण कर ऐसा न करे. वह पत्रकारिता की बुनियादी सोच पर आगे बढ़े. सोशल मीडिया मंचों को भी कानूनी तौर पर ऐसे अलगोरिदम विकसित करने के लिए सोचना होगा, जो निष्पक्षता को बढ़ावा दे, वितंडावाद और अतिवाद को नहीं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं.)

बिजनेस

गरीब की थाली से नहीं गायब होगी दाल, मोदी सरकार ने उठाया जबरदस्त कदम

नई दिल्ली: केंद्र सरकार के द्वारा देश में बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए बड़े स्तर पर इंतजाम किया जा रहा है. इसके लिए एक तरफ जहां रिजर्व बैंक ने अपने ब्याज दरों को फरवरी से स्थिर रखा है. वहीं, सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए चावल, प्याज आदि के आयात पर रोक लगा रखा है.

इस बीच एक और बड़ी खबर आ रही है. केंद्र सरकार ने मसूर दाल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए बड़ा फैसला किया है. सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से प्रमुख मसूर दलहन की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने और घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए मसूर दाल (मसूर) पर वर्तमान प्रभावी शून्य आयात शुल्क की समयसीमा को मार्च, 2025 तक बढ़ा दिया है. हालांकि, सरकार ने तीन कच्चे खाद्य तेलों – पाम तेल, सोयाबीन तेल और सूरजमुखी तेल – पर मौजूदा आयात शुल्क संरचना को नहीं बढ़ाया है.

वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, मसूर पर शून्य आयात शुल्क के साथ–साथ 10 प्रतिशत कृषि–बुनियादी ढांचा उपकर की छूट मार्च, 2025 तक बढ़ा दी गई है. मसूर पर यह छूट मार्च, 2024 तक वैध थी.

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने बताया कि कुछ दालों का उत्पादन उतना नहीं है जितना हम उपभोग करते हैं. आयात नीति की स्थिरता के लिए मसूर पर मौजूदा छूट को मार्च, 2025 तक बढ़ा दिया गया है ताकि उत्पादक देशों के किसानों को भारत से स्पष्ट संकेत मिल सके और वे अपनी बुवाई की योजना बना सकें. जुलाई, 2021 में मसूर पर मूल आयात शुल्क शून्य कर दिया गया था, जबकि फरवरी, 2022 में 10 प्रतिशत कृषि–बुनियादी ढांचा उपकर से छूट दी गई थी. तब से, इसे कई बार बढ़ाया गया और वर्तमान में यह मार्च, 2024 तक वैध था. वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि अधिसूचना केवल मसूर के लिए शून्य शुल्क और कृषि–बुनियादी ढांचा उपकर की छूट बढ़ाने के लिए है, तीन कच्चे खाद्य तेलों के लिए नहीं. भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और आयातक देश है. वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान भारत ने 24.96 लाख टन दलहन का आयात किया था.

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में भारत का आयात 4.33 प्रतिशत घटकर 54.48 अरब डॉलर रह गया, जबकि नवंबर 2022 में यह 56.95 अरब डॉलर था. देश का व्यापार घाटा नवंबर में 20.58 अरब डॉलर रहा. चालू वित्त वर्ष 2023–24 की अप्रैल–नवंबर अवधि में निर्यात 6.51 प्रतिशत घटकर 278.8 अरब डॉलर रहा. वहीं, इस अवधि में आयात 8.67 प्रतिशत गिरकर 445.15 अरब डॉलर रहा. वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक मंदी के बावजूद भारत का निर्यात अच्छा रहा है. तेल आयात में गिरावट के कारण इस अवधि में आयात 8.67 प्रतिशत घटकर 445.15 अरब डॉलर रहा. अप्रैल–नवंबर में तेल आयात घटकर 113.65 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल समान अवधि में 139.29 अरब डॉलर था. व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात के बीच का अंतर, अप्रैल–नवंबर में 166.35 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 189.21 अरब डॉलर था. वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वैश्विक स्तर पर चुनौतियों को देखते हुए भारत का निर्यात अच्छा रहा है.

साल खत्म होने से पहले आयी देश की सबसे अमीर महिलाओं की लिस्ट

नई दिल्ली: नये साल 2024 के जश्न की तैयारी पूरे जोर–शोर से चल रही है. भारतीय उद्योग जगत में भी इसका असर देखने के लिए मिल रहा है. इस बीच, फोर्ब्स की रैंकिंग सामने आयी है. इस रैंकिंग में देश की सबसे अमीर महिलाओं की लिस्ट दी गयी है. इस लिस्ट में भारत के अलग–अलग उद्योग घरानों से जुड़ी हुई महिलाएं हैं. ये लिस्ट महिलाओं के नेटवर्थ के आधार पर तैयार किया गया है. इस खबर में हम आपको टॉप पांच महिलाओं के बारे में जानकारी देंगे.

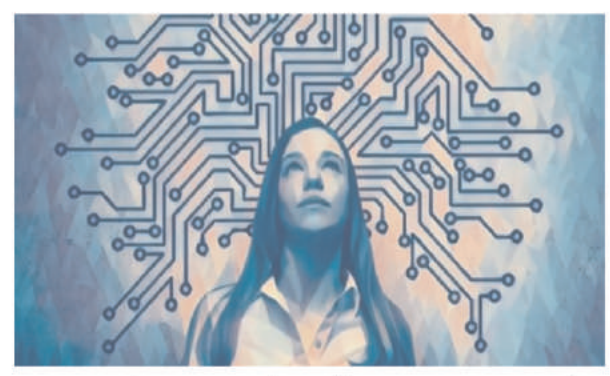

फोर्ब्स की अमीर महिलाओं की रैंकिंग में पांचवे स्थान पर हैं, ऌंप्ी''२ क्र्ल्ल के एमडी अनिल गुप्ता की मां विनोद गुप्ता. विनोद गुप्ता का नेटवर्थ 4.3 बिलियन डॉलर के आसपास है. विद्युत और बिजली वितरण उपकरण बनाने वाली कंपनी का अपने सेक्टर के बाजार पर बड़ा कब्जा है, जो हाल के दिनों में बढ़ा है.

अमीर महिलाओं की लिस्ट में चौथे स्थान पर यूएसवी इंडिया फार्मा कंपनी की चेयरमैन लीना तिवारी का नाम है. इनकी नेट वर्थ 4.8 बिलियन डॉलर कंपनी के पास करीब 62 वर्षों का कार्य अनुभव है. जो रेवलॉन की सहायक कंपनी यूएसवीएंडपी इंक.

यूएसए के साथ एक संयुक्त उद्यम के रूप में शुरू हुई थी. आज इसके उत्पाद में सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), निश्चित खुराक फॉर्मूलेशन (एफडीएफ), पेप्टाइड्स, बायोसिमिलर और इंजेक्टेबल्स शामिल हैं. इनका निर्माण भारत में स्थित हमारे सीजीएमपी अनुरूप संयंत्रों में किया जाता है. कंपनी 65 देशों में इपने उत्पाद बेचती है. भारतीय शेयर बाजार के बिग बुल कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला फोर्ब्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं. उनका नेट वर्थ करीब 7.6 बिलियन डॉलर के आसपास बताया जाता है. कई बड़े कंपनियों में इनके मेजर स्टॉक हैं. साथ ही अकाशा एयरलाइंस में भी अनकी हिस्सेदारी बतायी जाती है. देश में 2023 की सबसे अमीर महिलाओं की लिस्ट में दूसरे स्थान पर साइरस मिस्त्री की पत्नी रोहिका साइरस मिस्त्री है. इनकी कुल संपत्ति करीब 8.2 बिलियन डॉलर की बतायी जाती है. वो कई कंपनियों में निदेशक का पद संभाल चुकी हैं.

होटल के रेस्टोरेंट में ज्यादा जीएसटी पर व्यापारियों ने जतायी चिंता, टूरिज्म सेक्टर को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली: भारत में साल 2023 में होटल–रेस्टोरेंट का कारोबार काफी तेजी से बढ़ा है. इस साल देश में दो बड़े इवेंट– जी 20 की बैठक और विश्व कप के सफल आयोजन ने आतिथ्य क्षेत्र को एक नयी ऊंचाई प्रदान की है. जो कोविड काल से पहले के स्तर से ऊपर पहुंच गयी है. हालांकि, ऐसे होटल जिनमें रेस्टोरेंट सेवा भी है, उनके मालिक अब चिंता में हैं. दरअसल, सरकार ने होटल के कमरों के साथ में जीएसटी के रेट को जोड़ दिया है. इसका अर्थ है कि अगर आप स्टैंड अलोन होटल में खाना खाते हैं तो आपको जीएसटी 5 प्रतिशत देना होगा. जबकि, होटल जहां रहने की व्यवस्था हो वहां, ग्राहको को रेस्टोरेंट सेवा पर 18 प्रतिशत जीएसटी देना पड़ता है. परेशानी की बात ये है कि 18 प्रतिशत जीएसटी देने के लिए वो ग्राहक भी बाध्य हैं जो उस होटल में रह नहीं रहे होते हैं और केवल रेस्टोरेंट सेवा का उपयोग करते हैं. इससे होटल में रेस्टोरेंट कारोबार पर बड़ा असर पड़ा है. फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी बताते है कि मौजूदा सिस्टम जहां रेस्टोरेंट के लिए रव्ळ रेट होटल के कमरों से जुड़े हुए हैं, वो अन्यायपूर्ण, अनिश्चित्ता और घाटा कराने वाला है.

इससे टूरिज्म सेक्टर पर असर पड़ सकता है.मसूरी में हिल व्यू होटल रेस्टोरेंट के मालिक, अरविंद पेटवाल बताते हैं कि सरकार के फैसले से रेस्टोरेंट कारोबार पर असर पड़ा है. केवल होटल के कमरों के किराये से व्यापार करना संभव नहीं है. होटल में रहने वाले पर्यटक खाने के लिए बाहर जाते हैं. लिहाजा असर कारोबार पर पड़ता है. होटल व्यापार में आमदनी कमरों का किराया और रेस्टोरेंट से रेवेन्यू का लगभग 50–50 अनुपात है. जीएसटी के कारण दूसरा हिस्सा प्रभावित हो रहा है. वहीं, प्रदीप शेट्टी बताते हैं कि होटल के रेस्टोरेंट में 18 प्रतिशत जीएसटी का परसेप्शन ग्राहकों के मन में है. इससे वो हतोत्साहित होते हैं, भले ही होटल के रेस्टोरेंट में स्टैंडअलोन रेस्टोरेंट की तुलना में मेन्यू आइटम्स सस्ते हों. दूसरे एशियाई देश जैसे थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर जहां पर्यटकों की संख्या काफी ज्यादा है, वहां टैक्स रेट काफी कम है. ऐसे में ग्लोबल मार्केट कंपटिशन में इसका असर देखने को मिल सकता है. हॉस्पिटैलिटी में नए साल में हालांकि दीर्घकालिक कोष पहुंच, उच्च जीएसटी दरें, प्रतिभा अधिग्रहण तथा जटिल व्यावसायिक प्रक्रिया जैसे मुद्दे चिंता का विषय बन सकते हैं.

देश के 7 शहरों में 15 साल के रिकार्ड पर पहुंची अपार्टमेंट की बिक्री, जानें क्यों घर खरीदने का अभी है सही वक्त

नई दिल्ली: अगर आप नये साल में अपने लिए सपनों का घर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपके लिए एक महत्वपूर्ण खबर है. देश के सात प्रमुख शहरों में अपार्टमेंट की बिक्री बेहतर मांग के कारण 2023 में 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2.6 लाख इकाई पर पहुंचने की संभावना है. रियल एस्टेट परामर्शक कंपनी जेएलएल इंडिया द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. यह आंकड़ा 2008 के बाद से सबसे अधिक होगा. सात प्रमुख शहरों– राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर)–दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु और पुणे में पिछले साल 2,15,621 अपार्टमेंट बेचे गए थे. जेएलएल इंडिया ने कहा कि 2023 के पहले नौ महीनों में अपार्टमेंट की बिक्री

1,96,227 इकाई रही है, जो बीते वर्ष की समान अवधि में 1,61,575 इकाई थी. इस रिपोर्ट में सिर्फ अपार्टमेंट का आंकड़ा है.

मुंबई में मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे और नवी मुंबई को शामिल किया गया है. कंपनी ने भारी मांग के बीच अगले साल आवासीय बिक्री के '2,90,000 से 3,00,000 इकाई के बीच रहने की उम्मीद' जताई है.

रियलएस्टेट एडवाइजर कंपनी जेएलएल इंडिया के भारत में अनुसंधान प्रमुख और मुख्य अर्थशास्त्री सामंतक दास ने कहा कि आवास ऋण की ब्याज दरों में वृद्धि और बढ़ती कीमतों के बावजूद घरेलू आवास खंड में समग्र धारणा सकारात्मक बनी हुई है और घर खरीदारों का रवैया उत्साहित बना हुआ है. उन्होंने कहा कि आवासीय बिक्री 2023 में 2,60,000 इकाइयों को पार कर सकती है. वहीं इस दौरान 2,80,000 इकाइयों को पेश किया जा सकता है. इस तरह यह 2008 के बाद ऐतिहासिक उच्चस्तर तक होगा. एचडीएफसी कैपिटल समर्थित रेलॉय के संस्थापक अखिल सर्राफ ने इस रिपोर्ट पर कहा कि हाल के वर्षों में रियल एस्टेट उद्योग में व्यापक परिवर्तन आया है. इसमें नियामकीय और आपूर्तिकर्ताओं–उपभोक्ताओं, दोनों की मानसिकता में बदलाव शामिल है. विशेषज्ञों को उम्मीद है कि साल 2024 में रियल एस्टेट सेक्टर एक नये ऊंचाई पर होगा. घरों की मांग में भी इजाफा होगा. उम्मीद की जा रही है कि छोटे घरों के मुकाबले लक्जरी घरों की मांग में तेजी आयेगी.

गांवों से शहरों को पलायन की चुनौती

आशुतोष चतुर्वेदी

इस देश में शहर और गांव को लेकर बहस पुरानी है. हाल में केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री कौशल किशोर ने शहरीकरण को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया है. उन्होंने कहा कि भारत में तेजी से हो रहे शहरीकरण से अगले कुछ दशकों में देश की लगभग आधी आबादी शहरों में रहने लगेगी. पहले हमारी 20 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती थी, जबकि 80 फीसदी आबादी गांवों में रहती थी. अब शहरी आबादी 30 प्रतिशत है, जबकि ग्रामीण इलाकों में 70 फीसदी लोग रह रहे हैं. उनका कहना था कि अब हम ऐसी प्रवृत्ति देख रहे हैं, जिसमें लोग जिस शहर में काम करते हैं, वहीं मकान खरीदना चाहते हैं. कौशल किशोर ने कहा कि शहरीकरण की तेज रफ्तार को देखते हुए हमें अगले कुछ दशकों में शहरी और ग्रामीण आबादी का अनुपात 50:50 होने की उम्मीद है. इसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहरी लोगों के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं. हम सब जानते हैं कि गांवों से हजारों लोग शहर आकर अपने लिए बेहतर जीवन की तलाश करते हैं. वे शहरों में अच्छी आमदनी की उम्मीद करते हैं. ऐसे लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है. जो तथ्य सामने हैं, उनके अनुसार गुजरात जैसे विकसित राज्य में 48 प्रतिशत शहरीकरण हो चुका है और 2035 तक यह 60 प्रतिशत को पार कर जायेगा. बाकी राज्य भी बहुत पीछे नहीं हैं. सभी राज्यों में, चाहे बिहार हो, झारखंड हो अथवा पश्चिम बंगाल, शहरीकरण की रफ्तार तेज है.

केंद्र सरकार ने भविष्य में लोगों के शहरों की ओर जाने को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं शुरू की हैं. हाल में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सैकड़ों छोटे शहरों की अहम भूमिका है और उनकी सरकार ऐसे शहरों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बना रही है. उस समय देश आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनायेगा. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक जो विकास हुआ, उसका दायरा देश के कुछ बड़े शहरों तक ही सीमित था, लेकिन आज हम टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमृत मिशन और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी पहल छोटे शहरों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बना रही हैं. ऐसा अनुमान है कि अगले एक दशक में शहरी आबादी 60 करोड़ तक पहुंच जायेगी. हम सब जानते हैं कि भारतीय शहरों की स्थिति खराब इंफ्रास्ट्रक्चर और घटिया सार्वजनिक सेवाओं की वजह से चिंताजनक होती जा रही है. दरअसल वर्तमान कार्यप्रणाली में शहर के विकास और सुविधाओं के लिए योजना तैयार करते समय भविष्य में आबादी का ख्याल नहीं रखा जाता है. योजना के पूरा होते-होते उसमें विस्तार करने की जरूरत पड़ने लगती है. केंद्र सरकार ने शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए निवेश का ऐलान 2014 में लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान किया था. स्मार्ट सिटी योजना 2015 में लॉन्च हुई. विपक्ष सरकार की स्मार्ट सिटी योजना को प्रचार का एक जरिया बताता है. उसका कहना है कि इसके नतीजे जमीन पर नहीं दिखाई दे रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार का कहना है कि स्मार्ट सिटी मिशन दुनिया में कहीं भी सबसे तेजी से लागू की गयी योजनाओं में से एक है.0

हमारे शहरों की एक बड़ी चुनौती प्रदूषण को लेकर है. अनेक रिपोर्टों में इस चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा किया गया है. बावजूद इसके हम इस ओर आंख मूंदे हैं. बढ़ते प्रदूषण पर कोई सार्थक पहल नहीं होती, जबकि यह मुद्दा हमारे-आपके जीवन से जुड़ा हुआ है. अगले साल आम चुनाव हैं, लेकिन उनमें भी यह कोई मुद्दा नहीं है और न ही पर्यावरण संरक्षण किसी पार्टी के घोषणापत्र में स्थान पाता है. अपने देश में स्वच्छता और प्रदूषण का परिदृश्य वर्षों से निराशाजनक रहा है. इसको लेकर समाज में जैसी चेतना होनी चाहिए, वैसी नहीं है, लेकिन अब समय आ गया है कि जब हम इस विषय में संजीदा हों. एक बात स्पष्ट है कि यह काम केवल केंद्र अथवा राज्य सरकार के बूते का नहीं है. इसमें जनभागीदारी जरूरी है. सरकारें शहरों के प्रदूषण नियंत्रित करने की जिम्मेदारी अकेले नहीं निभा सकती हैं. केवल नगर निगमों के सहारे यह काम नहीं छोड़ा जा सकता है.

हमारे शहरों की एक बड़ी चुनौती प्रदूषण को लेकर है. अनेक रिपोर्टों में इस चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा किया गया है. बावजूद इसके हम इस ओर आंख मूंदे हैं. बढ़ते प्रदूषण पर कोई सार्थक पहल नहीं होती, जबकि यह मुद्दा हमारे-आपके जीवन से जुड़ा हुआ है. अगले साल आम चुनाव हैं, लेकिन उनमें भी यह कोई मुद्दा नहीं है और न ही पर्यावरण संरक्षण किसी पार्टी के घोषणापत्र में स्थान पाता है. अपने देश में स्वच्छता और प्रदूषण का परिदृश्य वर्षों से निराशाजनक रहा है. इसको लेकर समाज में जैसी चेतना होनी चाहिए, वैसी नहीं है, लेकिन अब समय आ गया है कि जब हम इस विषय में संजीदा हों. एक बात स्पष्ट है कि यह काम केवल केंद्र अथवा राज्य सरकार के बूते का नहीं है. इसमें जनभागीदारी जरूरी है. सरकारें शहरों के प्रदूषण नियंत्रित करने की जिम्मेदारी अकेले नहीं निभा सकती हैं. केवल नगर निगमों के सहारे यह काम नहीं छोड़ा जा सकता है. अब जबकि शहरों में आबादी तेजी से बढ़ने जा रही है, हमारे शहरों की जन सुविधाओं पर और दबाव बढ़ेगा. हमारी जनसंख्या जिस अनुपात में बढ़ रही है, उसके अनुपात में सरकारी प्रयास हमेशा नाकाफी रहने वाले हैं. हमें शहरी प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयासों में योगदान करना होगा, तभी परिस्थितियों में सुधार लाया जा सकता है.

स्वच्छता और सफाई के काम को करने में सांस्कृतिक बाधाएं भी आड़े आती हैं. देश में ज्यादातर धार्मिक स्थलों के आसपास अक्सर बहुत गंदगी दिखाई देती है. इन जगहों पर चढ़ाये गये फूलों के ढेर लगे होते हैं. कुछेक मंदिरों में स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से फूलों के निस्तारण और उन्हें जैविक खाद बनाने का प्रशंसनीय कार्य प्रारंभ किया है. अन्य धर्म स्थलों को भी ऐसे उपाय अपनाने चाहिए. होता यह है कि हम लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करके सुंदर मकान तो बना लेते हैं, लेकिन नाली पर ध्यान नहीं देते और गंदा पानी सड़क पर बहता रहता है. यही स्थिति कूड़े की है. हम रास्ता चलते कूड़ा सड़क पर फेंक देते हैं. साफ-सफाई में नगर निगम की भी अहम भूमिका होती है, लेकिन पार्षद चुनने में भी हम अपना वोट पार्टी और जाति के आधार पर देते हैं. तर्क दिया जाता है कि बिहार के शहरों के प्रदूषण की एक बड़ी वजह जनसंख्या घनत्व है, लेकिन दुनिया के कई ऐसे शहर हैं, जो उच्च जन-घनत्व के बावजूद प्रदूषण से मुक्त हैं. सिंगापुर दुनिया का आठवां सबसे अधिक जन-घनत्व वाला शहर है, लेकिन अपने बेहतरीन रखरखाव के कारण यह दुनिया का सबसे स्वच्छ शहर है. विदेशी शहरों को तो छोड़े, अपने देश में ही देखें और उत्तर व दक्षिण भारत के शहरों की तुलना करें.

बिहार के शहरों के मुकाबले हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे शहर आबादी के लिहाज से बड़े हैं, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से विकास के कारण इन शहरों को प्रदूषण की समस्या से जूझना नहीं पड़ रहा है. और, यदि कभी आपको कभी झारखंड के किसी संताली गांव को देखने का अवसर मिले, तो आप पायेंगे कि वे किसी भी शहर से ज्यादा साफ-सुथरे हैं. यह सरकारी प्रयासों से नहीं होता, बल्कि जन चेतना से संभव हो पाता है. लोगों में जब तक साफ-सफाई और प्रदूषण के प्रति चेतना नहीं जगेगी, तब तक कोई उपाय कारगर साबित नहीं होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं.)

चिंता

भारत के लोसुदृढ़ हो संसद की सुरक्षा व्यवस्था

प्रकाश सिंह

भारतीय संसद की सुरक्षा व्यवस्था में जो बहुत बड़ी चूक बुधवार को हुई, वह बेहद चिंताजनक है. जिस प्रकार दो युवा रंगीन धुएं के कैनिस्टर लेकर लोकसभा के भीतर पहुंचने में कामयाब हुए, उससे स्पष्ट है कि सुरक्षाकर्मियों ने जांच में लापरवाही बरती. जैसा कि सरकार, लोकसभा स्पीकर और दिल्ली पुलिस द्वारा बताया गया है कि संसद की सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर समीक्षा की जा रही है और सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार की जांच हो रही है. ऐसा किया जाना जरूरी भी है. खबरों में बताया गया है कि आठ सुरक्षाकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. जांच के बाद और कार्रवाई की उम्मीद है. संसद जैसी अहम जगहों की सुरक्षा की विशिष्ट व्यवस्था की जाती है, उसका एक प्रोटोकॉल होता है. यह देखना होगा कि उसका ठीक से पालन क्यों नहीं हुआ. यह भी ध्यान देने की बात है कि जब संसद का सत्र चल रहा होता है, तो अतिरिक्त पुलिसकर्मी भी तैनात किये जाते हैं. तेरह दिसंबर के ही दिन 2001 में पुराने संसद भवन में बड़ा आतंकी हमला हुआ था. उल्लेखनीय है कि अमेरिका में रहकर भारत में अलगाववाद और आतंकवाद को बढ़ावा देने की कोशिश में लगे एक खालिस्तानी अतिवादी ने खुलेआम धमकी दी थी कि वह संसद पर हमला करा सकता है. इसके बावजूद ऐसी चूक होना चिंताजनक है.

जहां तक सुरक्षाकर्मियों की बात है, तो उन पर निश्चित रूप से कार्रवाई होनी चाहिए और हो भी रही है, लेकिन जिन सांसद ने उन युवाओं को पास जारी करवाया था, उनकी भी कम गलती नहीं है. दर्शक दीर्घा में बैठने के लिए पास बनाने के स्पष्ट नियम हैं. सांसद को यह लिखित घोषणा करनी पड़ती है कि जिसके लिए वह पास जारी करवाना चाहता है, वह व्यक्ति उसका परिजन, संबंधी या अच्छी तरह से परिचित है. उसे उस व्यक्ति के कृत्य और व्यवहार की भी जिम्मेदारी लेनी पड़ती है. रिपोर्टों के अनुसार, उक्त सांसद ने कहा है कि वे लोकसभा में घुसे एक लड़के के पिता को जानते हैं, जो उनके क्षेत्र के हैं. फिर भी उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि वे लड़के को ठीक से जानें. खबरों में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि इन लड़कों का समूह जुलाई में भी संसद भवन गया था. अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उस समय किस सांसद के कहने पर पास जारी हुआ था. इस संदर्भ में यह भी याद किया जाना चाहिए कि 2001 में हुए हमले में इस्तेमाल कार में गृह मंत्रालय का पुराना या फर्जी स्टिकर लगा हुआ था, जिससे सुरक्षाकर्मी धोखा खा गये थे. अब तो यह भी नियम है कि सांसद की उसी कार को विशेष द्वारा से जाने की अनुमति होती है, जिस कार पर संसद द्वारा जारी स्टिकर लगा होता है.

यह संतोष की बात है कि इस चूक से जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, पर इससे मामले की गंभीरता कतई कम नहीं हो जाती. हवाई अड्डों और कई संवेदनशील स्थानों पर जूते उतार कर तलाशी ली जाती है. ऐसा संसद में नहीं होना अचरज की बात है. दूसरी महत्वपूर्ण चूक यह है कि लड़के दर्शक दीर्घा से सदन में कैसे कूद गये. संसद की नयी इमारत अभी बनी है. उसमें ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि लोगों और सांसदों के बीच समुचित दूरी हो. दर्शक दीर्घा में ऐसा पुख्ता इंतजाम होना चाहिए कि कोई कूद न सके. खबरों में बताया जा रहा है कि उच्च स्तरीय जांच के साथ-साथ तात्कालिक तौर पर अनेक कदम उठाये जा रहे हैं. मीडिया से बातचीत के लिए एक विशेष स्थान निर्धारित किया गया है. सांसदों को स्मार्ट पहचान पत्र और फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम के बारे में निर्देश दिये गये हैं. सुरक्षाकर्मियों की संख्या भी बढ़ायी जा रही है. आशा करनी चाहिए कि जांच रिपोर्ट आने के बाद और भी कदम उठाये जायेंगे.

अभी तक हुई जांच की खबरों के अनुसार, सदन में कूदने और धुआं फैलाने वाले युवाओं के किसी आतंकी संगठन से संबंध नहीं है. अभी तक पांच लोगों को पकड़ा गया है, जबकि इस घटना का षडयंत्र रचने वाला फरार है. गहन पूछताछ के बाद ही सच्चाई सामने आ सकेगी. चूंकि यह बहुत बड़ी घटना है, तो पुलिस कोई कसर बाकी नहीं रखेगी. पर यह सवाल तो है कि अगर संसद के भीतर कैनिस्टर ले जाया जा सकता है, तो कोई खतरनाक रसायन या हथियार भी जा सकता है, अगर सुरक्षा के इंतजामों में कोई कमी रही. कोई ढाई दशक पहले एक व्यक्ति लोकसभा में घुस गया था, पर उसे संसद के कर्मियों ने तुरंत पकड़ लिया था. उस के बाद यह पहली बार हुआ है, जब दो युवा सदन में घुस गये. इसके अलावा दर्शक दीर्घा से कागज फेंकने और नारे लगाने के कुछ मामले हुए हैं. पर धुएं वाला कैनिस्टर ले जाना अपनी तरह की पहली घटना है. विरोध जताने या सरकार का ध्यान खींचने के ऐसे तरीकों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है. विरोध के स्थापित तौर-तरीके हैं. संसद की सुरक्षा बेहतर करने के साथ-साथ विधानसभाओं, अदालतों, मुख्यालयों, संस्थानों आदि की सुरक्षा पर भी ठीक से ध्यान देने की आवश्यकता है.

भारत कई आतंकी हमलों और घटनाओं का भुक्तभोगी रहा है. देश को अस्थिर करने और हिंसक घटनाओं को अंजाम देने की ताक में भारत में और विदेशों में कई समूह हैं.

लोकगीतों में बड़े अपने लगते हैं 'पुरबिया राम'

चंदन तिवारी , लोकगायिका

वे अपने समय में लोकप्रिय धारा पर सवार नहीं थे. वे अपनी शर्तों पर अपने विषयों के साथ काम कर रहे थे. बिना इस बात की परवाह किये कि उनके काम का महत्व कितना समझा जायेगा अभी या उससे कितनी लोकप्रियता मिलेगी उन्हें. उन्होंने कहा था अपने समय में ही कि अभी मेरा नाम थोड़ा हुआ है. पर, जब यह तन छूट जायेगा मेरा, उसके कुछ सालों बाद कवि, सज्जन सब मिलकर मेरा गुण गायेंगे. साहित्य, कला, संस्कृति को इसलिए ही बड़ा कर्म माना गया है क्योंकि यह जीते जी जितनी ख्याति देता है, ना रहने के बाद भी उतना ही जीवंत और अमर बनाये रखता है.

चहुं ओर राममय माहौल है. अगले महीने अयोध्या में रामलला के मंदिर का उद्घाटन है. हर बात पर चट से गीत बनाने की पुरानी परंपरा रही है भोजपुरी लोकगायन में. राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर भी गीत बनाने की तैयारी चल रही होगी. गीत किस रूप में आयेंगे, किस भाव के साथ, राम का रूप-स्वरूप कैसा होगा उन गीतों में, अभी सिर्फ कल्पना की जा सकती है. कल्पना की बात इसलिए कि अब कई बार लोक-लाज और देवताओं से भय का भाव खत्म होता दिखता है भोजपुरी लोकगायन में. खैर, 17 दिसंबर को विवाहपंचमी है और 18 दिसंबर को भिखारी ठाकुर की जयंती. विवाहपंचमी वह उत्सवी दिन है, जिसने भोजपुरी लोकगीतों की दुनिया को अपार विस्तार दिया. और, भिखारी ठाकुर के बारे में हम सब जानते हैं कि वे भोजपुरी के सबसे बड़े अवलंबन हैं आज.

उत्तर भारत, विशेषकर पुरबिया इलाके, में राम को लेकर सबसे अधिक गीत इसी अवसर के लिए रचे गये हैं. ये गीत आम जनमानस ने, महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीत के रूप में भी रचे और गाये. पुरबिया इलाके में सबके घर में शादी-विवाह में दो ही देवताओं का नाम लेकर विवाह गीत गाये जाते हैं- शिव और राम. इसकी वजह यह है कि उत्सवी रूप में दुलहा बनने का अवसर इन्हीं दो देवताओं को मिला. सिर्फ पारंपरिक गीतों तक ही दुनिया नहीं है, बल्कि लोक कवियों में भी इस अवसर को लेकर दीवानगी का भाव रहा. लोकगीतों के जरिये राम को याद करने का सबसे लोकप्रिय पर्व है विवाहपंचमी. एक ऐसा पर्व, जिसमें राम लोक के सबसे करीब आते हैं. एक ऐसा पर्व, जिस अवसर पर गीतों के जरिये आम लोक राम को देवत्व की परिधि से निकाल कर अपना बना लेता है. उनसे प्यार जताने का बेशुमार अधिकार ले लेता है, पहुना बनाकर, बहनोई बनाकर, दामाद बनाकर. पारंपरिक गीतों में महिलाएं राम को पहुना बनाकर, बहनोई बनाकर प्यार और अधिकार से गारी गीत तक सुनाती रही हैं. गीतों के जरिये राम से पूछने का रिवाज रहा कि एक भाई सांवर हैं, एक भाई गोर, ऐसा काहे? बाबूजी आपके इतने गोर तो आप सांवले कैसे हुए?

राम को अपना बनाकर आम जनों ने जब इतनी छूट ली, तो लोक कवियों ने भी इस आधार का और विस्तार किया. रसूल मियां, महेंदर मिसिर, भिखारी ठाकुर, स्नेहलता, बक्सरवाले मामाजी, प्रताप सिन्हा, राम जियावन दास बावला, मास्टर अजीज, बिंध्यवासिनी देवी जैसे अनेक रचनाकारों ने राम-जानकी विवाह को लेकर कमाल के गीत रचे. रसूल मियां ने राम का सेहरा गीत लिखा. वे लिखते हैं कि जनकपुर में हजारों भूप पहुंचे सेहरा बांधकर, पर उस सेहरे का मान तो हमारे श्यामले राम ने रखा. बक्सरवाले मामाजी तो सीता को बहन मानकर और राम को बहनोई मानकर आजीवन जानकी के गीत ही रचते रहे. वे यह भी लिखे हैं कि पहुना राम की परछाईं से हमारी सिया सांवली हो गयी, पर जैसे ही सिया की छाया पड़ी, पहुना भी गोर हो गये. स्नेहलता ने तो दुलहा राम के सौंदर्य का अनूठा वर्णन किया, मोहि लेलक सजनी मोरा मनवा हो, पहुनवा राघव. महेंदर मिसिर ने लिखा, अब तो रामजी पहुनवा हमार भइले, गारी के हमनी के सुतार भइले. भिखारी ठाकुर ने तो राम पर पूरा आख्यान ही रचा है. वे जीवन भर कहते रहे कि वे जो भी हैं, उसमें दो चीजों की बड़ी भूमिका है- मातृभाषा और राम नाम. बिंध्यवासिनी देवी आखिरी दिनों में लोक रामायण रच रहीं थीं. राम इतने तक ही सीमित नहीं रहे. जिन गीतों का राम से कोई लेना-देना न था, वे गीत या वे विधाएं भी राम के नाम का टेक लेकर आगे बढ़ने लगीं. चैता, चैती, सोहर, कजरी, सोरठी, बिरहा जैसी विधाओं का आधार ही राम का नाम बन गया. ऐसा रिश्ता राम के नाम से भोजपुरी लोकगायन कर रहा है.ऐसे अनेक प्रसंग और संदर्भ हैं. इन सबकी चर्चा इसलिए कि आगे हम राम पर गीत रचते समय, गाते समय, राम को गीतों में लाते समय इस मजबूत बुनियाद को याद रखें. भोजपुरी लोकगीतों में बहुत ही अपनापे और अधिकार से उनके सौंदर्य का उभार किया है, भोजपुरी गीतों ने. पर, उनकी मर्यादा को ध्यान में रखते हुए, मर्यादा में. हम यह भी याद रखें कि बेशक आज जमाना फटाफट, किसी तरह हिट होने की बेताबी का है. वन नाइट स्टारडम का दौर भी है. इसके लिए ही हम गीत बनाते समय तमाम सीमाओं को लांघते हैं. देवी-देवता से भी डरना या उनके प्रति लोक लाज का भाव बरतना छोड़ते जा रहे हैं.

बॉलीवुड तड़का

ऋतिक– सुजैन के बेटे को मिला बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक से स्कॉलरशिप, सितारों ने दी बधाई

नई दिल्ली: रितिक रोशन और सुजैन खान बीते जमाने की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक थे. लेकिन अलग होने के बावजूद, दोनों एक–दूसरे के साथ स्वस्थ संबंध बनाए रखते हैं और अपने बच्चों की देखभाल करते हैं. हाल ही में, सुज़ैन ने सोशल मीडिया पर एक रोमांचक खबर शेयर की, जिसमें ऋतिक और उनके बेटे रेहान को बर्कली कॉलेज में एडमिट किया गया है.

इस खबर पर करिश्मा कपूर समेत कई सेलिब्रिटीज ने रिएक्शन दिया है. 23 दिसंबर को सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने और ऋतिक रोशन के बेटे रेहान को अमेरिका के बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक में एडमिशन मिलने की खबर पोस्ट की. उन्होंने अपने बेटे के साथ खुद का मोंटाज दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया.

संगीत के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाते हुए देखा है, और मुझे तुम पर बहुत गर्व है मेरे बेटे, तुमने मुझे सबसे उज्ज्वल रोशनी से भर दिया है. आज 23 दिसंबर को सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने और ऋतिक रोशन के बेटे रेहान को अमेरिका के बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक में एडमिशन मिलने की खबर पोस्ट की. उन्होंने अपने बेटे के साथ खुद का मोंटाज दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया.

रेहान को बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक से एक्सेप्टेंस लेटर मिलासुजैन ने कैप्शन में लिखा – 19 दिसंबर 2023 को हमारे रेहान को बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक से एक्सेप्टेंस लेटर मिला, जिसमें उन्हें उनकी एक्सीलेंस के लिए स्कॉलरशिप एलिजिबिलिटी पुरस्कार की पेशकश की गई थी. उन्होंने ने लिखा यह मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन था. रे आप मेरे हीरो हैं और मेरे सबसे अच्छे दोस्त, मैंने तुम्हें पिछले 9 वर्षों से लगातार इसमें लगे हुए देखा है. संगीत के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाते हुए देखा है, और मुझे तुम पर बहुत गर्व है मेरे बेटे, तुमने मुझे सबसे उज्ज्वल रोशनी से भर दिया है. आज 23 दिसंबर को सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने और ऋतिक रोशन के बेटे रेहान को अमेरिका के बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक में एडमिशन मिलने की खबर पोस्ट की. उन्होंने अपने बेटे के साथ खुद का मोंटाज दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया.सुजैन के इस पोस्ट पर कई मशहूर हस्तियों ने कमेंट करना शुरू कर दिया. जिसमें करिश्मा कपूर ने लिखा, बधाई हो. जबकि फरहान अख्तर ने लिखा– बहुत बढ़िया. इसी बीच, बिपाशा बसु ने लिखा, वाह अर्सलान गोनी ने अपनी खुशी शेयर करते हुए कहा, बहुत–बहुत बधाई. बहुत खुश हूं.

रेहान के दादा राकेश रोशन ने लिखा, रे आप एक अचीवर हैं, आगे बढ़ते रहें. बर्कली के आधिकारिक पेज ने इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की. ऋतिक ने इस पर कमेंट करते हुए लिखा, वो भी स्कॉलरशिप पर! शाबाश मेरे बेटे.बता दें, हाल ही में सिमोन अरोड़ा के बेटे की शादी मुंबई के जुहू में हुई. सिमोन सुजैन खान की बहन हैं. शादी में रितिक रोशन अपनी लेडीलव सबा आजाद के साथ नजर आए, जहां फाइटर अभिनेता पूरी तरह से काले रंग की पोशाक में आकर्षक लग रहे थे, वहीं सबा रेट्रो शैली की पोशाक में चमक रही थीं. आज 23 दिसंबर को सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने और ऋतिक रोशन के बेटे रेहान को अमेरिका के बर्कली कॉलेज ऑफ म्यूजिक में एडमिशन मिलने की खबर पोस्ट की. उन्होंने अपने बेटे के साथ खुद का मोंटाज दिखाते हुए एक वीडियो शेयर किया.

शाहरुख खान की डंकी फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर मिल रही है प्रतिक्रियाएं

मुंबई। सोशल मीडिया पर 'डंकी' का डंका बज चुका है। ट्विटर पर फैंस का रिएक्शन आना शुरू हो गया है। फैंस अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। थिएटर में सेलिब्रेशन के साथ ही सोशल मीडिया पर भी 'डंकी' का जश्न मनाया जा रहा है। फैंस की यही प्रतिक्रिया हम आपके लिए लेकर आए हैं।

शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गई है। पहले से ही फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर बज बना हुआ था। अब शाहरुख खान के फैंस बड़ी संख्या में फिल्म देखने पहुंच रहे हैं। 'डंकी' की रिलीज के बाद सिनेमाघरों के बाहर जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है। शाहरुख खान के फैंस काफी एक्साइटेड हैं और फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे हैं। शाहरुख से लेकर तापसी और विक्की कौशल के किरदार की बारिकियों को भी फैंस सोशल मीडिया पर बता रहे हैं। शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' के रिव्यू से ट्विटर भरा पड़ा है। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'पहला भाग पूरा हो गया। 'डंकी' एक भावनात्मक रोलर कोस्टर है। आप एक ही समय में हंसते और रोते हैं। विक्की कौशल याद रखा जाएगा और हां 'हार्डी नामुना नहीं हैं'।' शाहरुख खान के साथ ही विक्की कौशल के काम भी लोग काफी तारीफ कर रहे हैं।

एक शख्स ने फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार हिरानी की भी खूब तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'राज कुमार हिरानी की कहानी कहने की कुशलता, ऐतिहासिक सटीकता के प्रति समर्पण के साथ 'डंकी' एक टाइलेस फिल्म है। ये फिल्म अब तक बनी सबसे बेहतरीन फिल्मों की लिस्ट में अपनी जगह पक्की करने वाली है।'एक ट्विटर यूजर ने तो फिल्म को इस दशक की सबसे अच्छी फिल्म करार दे दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस दशक की की सबसे बेहतरीन फिल्म। 5 में से 5 स्टार।

प्रियंका–परिणीति चोपड़ा ने अपनी इस बहन को कभी नही किया सपोर्ट, शादी में भी नही दिखी एक्ट्रेस

नई दिल्ली: बॉलीवुड अभिनेत्री मीरा चोपड़ा, जिन्होंने पहली बार 1920 लंदन में अपनी भूमिका से पहचान हासिल की, ने हाल ही में संदीप सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म सफेद में अभिनय किया है। जानी–मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा से उनकी चचेरी बहन होने के बावजूद, उन्होंने खुले तौर पर साझा किया है कि उनके बीच कोई मजबूत भाईचारा का बंधन नहीं है। जब मीरा ने शुरुआत में शोबिज़ में कदम रखा तो उन्होंने खुलकर समर्थन की कमी के बारे में चर्चा की.

एक इंटरव्यू में मीरा ने खुलासा किया कि उनका उनकी बहनों प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा से हमेशा से नजदीकियों की कमी रही है. उन्होंने साफ किया कि करीबी दोस्त होने का दिखावा करना डिस्लॉयल होगा. इंडस्ट्री में एक साथ एंट्री करते समय आपसी सहयोग के बावजूद, उन्हें इस तरह का कोई भी मदद नहीं मिला है. मीरा ने कहा कि उसने कभी मदद नहीं मांगी और दुर्भाग्य से, उसके चचेरे भाइयों ने भी कोई मदद नहीं की भी नहीं.

अभिनेत्री ने यह भी खुलासा किया कि उनका प्रियंका के परिवार के साथ मजबूत रिश्ता है और यहां तक कि वह निक जोनास के साथ उनकी शादी में भी शामिल हुई थी. हालांकि, जब परिणीति की बात आती है, तो उनके परिवारों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों के कारण उनका रिश्ता उतना करीब नही है.

अपने बचपन को याद करते हुए, मीरा ने उन दिनों को याद किया जब वे एक बड़े जॉइंट परिवार का हिस्सा थे, सभी एक ही घर में रहते थे. हालांकि, उन्होंने कहा, र्जब कोई बहुत बड़ा होता है तो बाकी लोग छोटे लगते हैं. अभिनेत्री ने यह भी खुलासा किया कि उनका प्रियंका के परिवार के साथ मजबूत रिश्ता है और यहां तक कि वह निक जोनास के साथ उनकी शादी में भी शामिल हुई थीं. हालांकि, जब परिणीति की बात आती है, तो उनके परिवारों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों के कारण उनका रिश्ता उतना करीब नहीं है.

आलिया भट्ट ने अपनी पेट कैट के साथ मनाया क्रिसमस, सेलिब्रेशन से शेयर की तस्वीरें

नई दिल्ली: जैसे–जैसे क्रिसमस का दिन नजदीक आ रहा है, बॉलीवुड सितारे पूरे दिल से उत्सव की भावना को अपना रहे हैं. कुछ लोग फेस्टिवल के लिए विदेशी डेस्टिनेशन के लिए रवाना हो गए हैं, जबकि अन्य ने अपने घरों को फेस्टिवल वेन्यू में बदल दिया है, और अपने परिवारों के साथ फेस्टिवल मनाने के लिए तैयार हैं. इस बीच, आलिया भट्ट फैंस को शुभकामनाएं देने के लिए एक अनोखे तरीके के साथ सामने आईं. कैद किए गए एक पल में, आलिया अपनी बिल्ली एडवर्ड के साथ अपने सजाए गए क्रिसमस ट्री के बैकग्राउंड में घूम रही थी. आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने क्रिसमस फेस्टिवल की एक झलक पेश की और अपने फैंस के साथ हार्दिक शुभकामनाएं शेयर कीं. अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की. जिसमें बैकग्राउंड में एक खूबसूरती से सजा हुआ क्रिसमस ट्री है. सुनहरी रोशनी से सजाए गए पेड़ में आभूषणों की एक मनमोहक सीरीज दिखाई गई, जिसमें बाउबल्स, सितारे, कैंडी बेंत, घंटियाँ और मूर्तियाँ शामिल थीं, जिसके टॉर पर एक चमकदार सुनहरा सितारा था और एक बारहसिंगा भी था.

प्रभास की सलार ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, की इतनी कमाई

नई दिल्ली: काफी इंतजार के बाद 'सालारः पार्ट वन– सीजफायर' 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इसे मिले पॉजिटिव रिएक्शन्स के बाद 'सलार' ने वर्ल्डवाइड पर 175 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है. इंडस्ट्री ट्रैकिंग साइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म की डोमेस्टिक एडवांस बुकिंग कलेक्शन 49 करोड़ रुपये की कमाई की. साथ ही अब फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन के बारे में बात करें तो, सालार ने ओपनिंग डे पर केवल भारत में ही 95 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है. इस पैन इंडियन फिल्म में प्रभास, पृथ्वीराज सुकुमारन और श्रुति हासन मुख्य भूमिकाओं में हैं.सालार को एक बड़ी छाप छोड़ने के लिए नए साल में अच्छी शुरुआत और ट्रेंड का फायदा उठाया.

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार

TitleCode: UPHIN51223

मोबाइल नंबर

9456884327

Officialsabkasapna@gmail.com

www.sabkasapna.com

नोट– समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

जेठालाल का एक एपिसोड के लिये मिलती है इतनी फीस, जानकर रह जायेंगे हैरान

नई दिल्ली: तारक मेहता का उल्टा चश्मा में जेठालाल की भूमिका निभाने वाले एक्टर दिलीप जोशी टीवी के सबसे ज्यादा फीस पाने वाले एक्टर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन्हें हर एपिसोड के लिए 3 लाख रुपये मिलते हैं। सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी की बात करें तो इंस्टाग्राम पर दिलीप जोशी के 2.3 मिलियन, जेनिफर के 17.1 मिलियन और रुपाली के 2.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। यानी फॉलोअर्स के मामले में जेनिफर इन दोनों से बहुत आगे हैं।

टीवी सीरियल अनुपमा हर हफ्ते टीआरपी की लिस्ट में टॉप 5 में अपनी जगह बनाता है। ये शो जितना पॉपुलर है इसकी लीड एक्ट्रेस रुपाली गांगुली भी उतनी ही फेमस हैं। आज वह किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्हें हर घर की महीला पहचानती है। शायद यही कारण है कि श्अनुपमाश् के मेकर्स उन्हें प्रति एपिसोड 3 लाख रुपये बतौर फीस दे रहे हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं, टीवी का ये फेमस कलाकार फीस के मामले में रुपाली को कड़ी टक्कर दे रहा है?

रुपाली गांगुली सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस हैं। उनके बाद जिस एक्ट्रेस को सबसे ज्यादा फीस मिल रही है वह तीन साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही है। हर एपिसोड के लिए 3 लाख रुपये मिलते हैं। सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी की बात करें तो इंस्टाग्राम पर दिलीप जोशी के 2.3 मिलियन, जेनिफर के 17.1 मिलियन और रुपाली के 2.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। यानी फॉलोअर्स के मामले में जेनिफर इन दोनों से बहुत आगे हैं।इस एक्ट्रेस ने साल 2019 से लेकर 2020 तक शिविन नारंग के साथ श्बेहदश् के दूसरे सीजन में काम किया था। पहचाना? नहीं! इनका नाम जेनिफर विंगेट है। जेनिफर लगभग तीन साल के लंबे ब्रेक के बाद टीवी पर नजर आने वाली हैं। दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इन्हें प्रति एपिसोड तकरीबन 2 लाख 30 हजार रुपये दे रहे हैं।

टीवी सीरियल अनुपमा हर हफ्ते टीआरपी की लिस्ट में टॉप 5 में अपनी जगह बनाता है। ये शो जितना पॉपुलर है इसकी लीड एक्ट्रेस रुपाली गांगुली भी उतनी ही फेमस हैं। आज वह किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्हें हर घर की महीला पहचानती है। शायद यही कारण है कि श्अनुपमाश् के मेकर्स उन्हें प्रति एपिसोड 3 लाख रुपये बतौर फीस दे रहे हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं, टीवी का ये फेमस कलाकार फीस के मामले में रुपाली को कड़ी टक्कर दे रहा है?